Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 309 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, सोमवार 02 जून 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आस्था के साथ अपने कदमों को मोक्षमार्ग पर जो बढ़ाता है, उसकी यात्रा अतिशीघ्र पूर्ण होती है।

One who advances his steps on the path to salvation with right faith completes his journey very soon.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

अनिमेष कुजुर ने कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और देश का मान बढ़ाया

रायपुर (विसं)। अनिमेष कुजुर ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने न केवल अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय हासिल किया, बल्कि एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी स्थापित किया। विपरीत परिस्थितियों में भी कठिन परिश्रम और पूर्ण समर्पण से हर मंजिल हासिल की जा सकती है। अनिमेष उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जो छोटे शहरों से बड़े सपने संजोकर विश्व मंच पर भारत का नाम रोशन करना चाहते हैं।

अन्नाद्रमुक ने राज्यसभा चुनाव के लिए किया उम्मीदवारों का ऐलान

चेन्नई (आरएनएस)। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए रविवार को उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। पार्टी के उप महासचिव के.पी. मुनुसामी और मुख्यालय सचिव एस.पी. वेलुमणि ने चेन्नई के रोयापेट्टा स्थित पार्टी मुख्यालय में संयुक्त रूप से यह घोषणा की। अन्नाद्रमुक ने इनबाथुराई और धनपाल को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। इस घोषणा के साथ ही पार्टी ने देसिया मुरपोक्कु डीएमडीके के साथ अपने गठबंधन को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

कोण्डागांव जिले में 94 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

हमारी सरकार बस्तर में शांति और विकास के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

भोंगापाल में बुद्ध महोत्सव के लिए 25 लाख रूपए की घोषणा, सांस्कृतिक व पर्यटन क्षेत्र में उन्नयन के लिए मिलेगी एक करोड़ की राशि

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ ने बौद्ध धर्म से जुड़ी सुंदर स्मृतियों को अपनी अमूल्य विरासत के रूप में सहेज कर रखा है। हमारा सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध की चेतना का प्रसार समकालीन छत्तीसगढ़ में व्यापक रूप से हुआ और बस्तर की पुण्य धरा इसके साक्ष्य मिले हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज कोण्डागांव जिले के भोंगापाल में भगवान बुद्ध की जयंती के अवसर पर आयोजित बुद्ध महोत्सव और लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कोण्डागांव जिले में 94 करोड़ 18 लाख रूपए से अधिक की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास कर जिलेवासियों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री और अतिथियों ने भगवान बुद्ध के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि भोंगापाल का धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व इतना अधिक है कि आज यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बस्तर में शांति स्थापना और विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में हमने जो विकास किया है इसे आप सभी जानते है और लाभान्वित भी हो रहे हैं। हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सभी गारंटियों को पूरा करने का काम किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पलेना एवं परोदा नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण, भोंगपाल बुद्ध महोत्सव के आयोजन के लिए 25 लाख रूपए, सांस्कृतिक दलों को बढ़वा देने के लिए उनके वेश भूषा पहनावा ढोल मांदर सांस्कृतिक गतिविधियों तथा भोंगपाल को सांस्कृतिक पर्यटन क्षेत्र के उन्नयन के लिए एक करोड़ रूपये स्वीकृत किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश के गरीब व जरूरतमंद परिवारों को हमारी सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख आवास स्वीकृत करने का जो सिलसिला शुरू किया था, वह अनवरत जारी है। श्री साय ने कहा कि नक्सल पीड़ित और आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी 15 हजार आवास स्वीकृत किए गए है और विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए भी लगातार आवास देने का काम हमारी सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 70 लाख से अधिक माताओं बहनों को महतारी वंदन योजना की राशि नियमित रूप से दी जा रही है। सुशासन तिहार में प्रदेशव्यापी भ्रमण के दौरान अनेक माताओं बहनों ने महतारी वंदन योजना से जीवन में आए बदलावों के बारे में मुझे बताया है। नारायणपुर प्रवास के दौरान एक अबूझमाड़िया बहन ने बताया कि योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और अब उसे अच्छी आय हो रही है। पूरे प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक संबल मिल रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि हम अपने उद्देश्य में सफल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही ग्राम पंचायत भवनों में शुरू हुए अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को मिल रही बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी और कहा कि आने वाले एक साल में सभी पंचायतों में यह सुविधा प्रारंभ होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता देश विदेश में प्रसिद्ध है और इस क्षेत्र में पर्यटन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति स्थापित हो इसके लिए हमारे जवान नक्सलियों से डटकर मुकाबला कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने भोंगापाल में बांस नौका विहार केंद्र का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कोंडागांव जिले के भोंगापाल गांव में प्राचीन शिव मंदिर परिसर में महालक्ष्मी महिला स्वसहायता समूह के सदस्यों को कयाकिंग 05 नग नाव प्रदाय किया और संयुक्त वन प्रबंधन समिति भोंगापाल को तमुर्रा नाला में बांस नौका विहार केंद्र के शुभारंभ के लिए सामग्री बांटी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महिला समूह के अध्यक्ष सुनीता नाग सहित अन्य सदस्यों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्राचीन शिव मंदिर परिसर भोंगापाल में पीपल के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मंत्री लखनलाल देवांगन, केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप आदि उपस्थित थे।

ममता बनर्जी ने बंगाल को बनाया घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार का केंद्र, हिंदुओं के साथ हुआ दुराचार : अमित शाह

कोलकाता (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार, हिंसा और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। अमित शाह ने कहा कि वर्षों तक बंगाल ने हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व किया है। कई वर्षों तक यहां कम्युनिस्टों का भी शासन रहा। उसके बाद ममता दीदी ने आकर इस भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, अपराध और हिंदुओं पर अत्याचार का केंद्र बना दिया।

उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् के रचयिता महान बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस भूमि ने वर्षों तक देश का मार्गदर्शन किया। ज्ञान, धर्म, स्वतंत्रता संग्राम समेत हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में कई साल तक कम्युनिस्टों का शासन रहा। उसके बाद मां, माटी, मानुष का नारा देकर सत्ता में आने वाली ममता बनर्जी ने महान बंग भूमि को आज घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार, अपराध, बम धमाकों और हिंदुओं के साथ दुराचार का केंद्र बनाकर रख दिया है।

उन्होंने कहा कि बंगाल की इसी धरती पर चुनाव के दौरान और तृणमूल कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पूरे देश में चुनाव के दौरान हिंसा खत्म हो गई होगी, लेकिन बंगाल में हिंसा जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने तृणमूल सुप्रीमो को चुनौती देते हुए कहा, दीदी, हिंसा करने वालों को आप कब तक बचाती रहेंगी? आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। पिछले 10 वर्षों में पश्चिम बंगाल सरकार को जारी किए गए 8,27,000 करोड़ रुपए यूपीए की तुलना में चार गुना अधिक हैं। हमारा फोकस प्रदेश का विकास है। हमें भरोसा है कि प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को सेवा करने का अवसर जरूर देगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को ललकारते हुए कहा, हिम्मत हो तो बिना हिंसा के चुनाव कराकर देखिए, आपकी जमानत जब्त हो जाएगी। उन्होंने ममता बनर्जी पर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया और राज्य की महिलाओं से चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को सिंदूर की कीमत समझा देने की अपील की।

राजद ने तेजप्रताप यादव को आधिकारिक तौर पर 6 साल के लिए निष्कासित किया

पटना (आरएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को तेजप्रताप यादव को आधिकारिक रूप से पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने इस संबंध में एक कार्यालय आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी है।

एनआईए की बड़ी कार्रवाई : पाक जासूसी नेटवर्क से जुड़े संदिग्ध के ठिकाने पर छापा

जयपुर (आरएनएस)। पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने राजस्थान में बड़ी कार्रवाई की। एनआईए की टीम ने राज्य के एक अहम ठिकाने पर छापेमारी कर अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत जब्त किए हैं। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स से जुड़े संदिग्धों की भूमिका की जांच के तहत की गई है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए को इनपुट मिला था कि राजस्थान में कुछ व्यक्ति पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से संपर्क में हैं और गोपनीय जानकारी साझा कर रहे हैं। इस आधार पर जयपुर सहित अन्य स्थानों पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान टीम को कई डिजिटल डिवाइस, संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़े कागज़ात और अन्य आपत्तिजनक सामग्री हाथ लगी है।

देश में कोरोना केसों में बढ़ोतरी, एक्टिव केस 3,395 के पार

सरकार ने की सतर्कता बरतने की अपील

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में एक बार फिर से कोरोना संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, देशभर में कोविड-19 के एक्टिव केसों की संख्या 3,395 तक पहुंच गई है। पिछले 24 घंटों में 685 नए मामले सामने आए हैं और 4 लोगों की मौत भी हुई है।

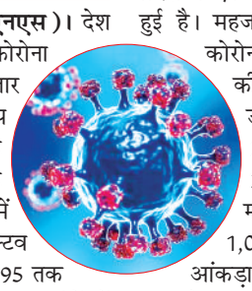

केरल में 1336 सक्रिय मामले दर्ज किए गए हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। वहीं, कोविड मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कर्नाटक सरकार ने एक अहम सर्कुलर जारी किया है। इसमें लोगों को नियमित रूप से हाथ धोने, खांसते या छींकते समय शिष्टाचार अपनाने, भीड़भाड़ से बचने और आवश्यकता अनुसार मास्क पहनने की सलाह दी गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। महज कुछ दिनों में ही कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या में बड़ा उछाल देखा गया है। 22 मई को सिर्फ 257 केस थे। 26 मई को यह बढ़कर 1,010 हो गए। अब आंकड़ा 3,395 तक पहुंच गया है। ICMR के महानिदेशक डॉ. राजीव बेहल ने बताया कि पश्चिम और दक्षिण भारत से लिए गए सैंपलों के जीनोम अनुक्रमण में ओमिक्रॉन के चार सब-वैरिएंट्स- LF.7, XFG, JN.1 और NB.1.8.1 की पहचान हुई है। इनमें से पहले तीन सब-वैरिएंट्स सबसे ज़्यादा मामलों में पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति पर करीबी नज़र रखी जा रही है और इस समय घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है।

प्रदेश में चावल उत्सव की हुई शुरुआत, 7 जून तक चलेगा

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में रविवार से चावल महोत्सव की शुरुआत हो रही है। यह चावल महोत्सव 7 जून तक चलेगा और इस दौरान 81 लाख से अधिक राशनकार्डधारी परिवारों को जून, जुलाई और अगस्त तीनों माह का चावल एकमुश्त वितरित किया जाएगा। इस चावल महोत्सव के लिए के प्रदेश भर की 13,928 उचित मूल्य दुकानों में चावल का अग्रिम भंडारण किया जा चुका है। ऐसा इसलिए किया गया ताकि चावल का वितरण सुचारु रूप से हो सके।

मानसून में पहुंचविहीन होने वाली 249 दुकानों में भी पहले से चावल भेजा जा रहा है। वितरण पूरी तरह पारदर्शी होगा बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण के बाद ही चावल मिलेगा और रसीद अनिवार्य रूप से दी जाएगी। खाद्य विभाग ने जिलों को निर्देशित किया है कि प्रचार-प्रसार के जरिए हर लाभार्थी तक जानकारी पहुँचे। इस पहल से दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों तक समय पर खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। राज्य खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 1 जून से 7 जून तक चावल उत्सव के दौरान सभी उचित मूल्य दुकानों से चावल का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।

वितरण संबंधित जानकारी का प्रदर्शन अनिवार्य- इस अवसर पर दुकानों में वितरण संबंधित जानकारी का प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि चावल वितरण की सूचना स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रचार माध्यमों से व्यापक रूप से प्रसारित की जाए, जिससे प्रत्येक लाभार्थी तक यह जानकारी सुगमता से पहुंचे और वितरण पारदर्शी रहे।

शोक सन्देश

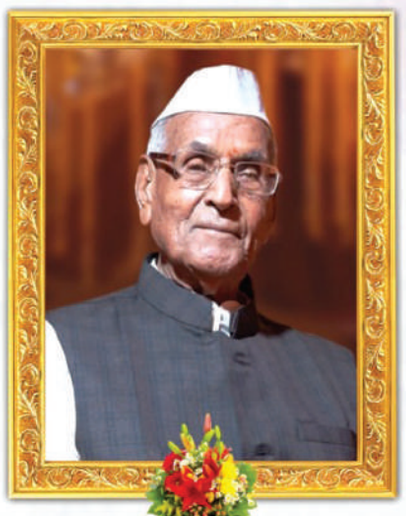

श्री रामजीलाल जी अग्रवाल

अत्यंत दुख के साथ सुचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य **श्री रामजीलाल जी अग्रवाल** अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर दिनांक 24 मई 2025, शनिवार को गौ-लोक सिधार गए हैं।
जिनकी आत्मा की शांति निमित्त...

-बैठक-
दिनांक - 28 मई से 4 जून 2025
अपरान्ह 4 बजे से 8 बजे (बैठक)
अपरान्ह 4 से 5 बजे (गरूड़ पुराण)
स्थान - रामजी वाटिका, मौलश्री विहार
श्री राम मंदिर के पास,
वी.आई.पी. रोड, रायपुर

-श्रद्धांजलि सभा-
दिनांक - 5 जून 2025, गुरूवार
अपरान्ह 4 से 5 बजे (गरूड़ पुराण एवं पगड़ी रस्म)
अपरान्ह 4 से 7 बजे (श्रद्धांजलि सभा)
स्थान - रॉयल कोर्ट हॉल बेबीलोन इंटरनेशनल
वी.आई.पी. रोड, रायपुर

शोक संतप्त
बृजमोहन अग्रवाल (पुत्र)
सांसद एवं पूर्व मंत्री, छत्तीसगढ़

विनीत
बिशन लाल अग्रवाल (भाई)

शोकाकुल
पुत्र - गोपालकृष्ण अग्रवाल, विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल
भतीजे - पूरनलाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, गणेश अग्रवाल
संतोष अग्रवाल (भांजा), मनोज बबलू अग्रवाल (नाती)
पोते - मनोज, प्रकाश, सुमीत, मुकेश, गौरव, आशीष, समीर, कुमार मंगलम्, अभिषेक, अक्षत, अमित, विवेक, मयंक, पीयूष, करण, दिव्यम, आदित्य, आयुष, तन्मय, सत्यम एवं समस्त अग्रवाल परिवार
फर्म - पूरण दाल मिल, रामसागर पारा रायपुर, छत्तीसगढ़

संपर्क: विजय अग्रवाल- 94252-02901, दिव्यम अग्रवाल- 90098-64000, आदित्य अग्रवाल- 83778-60162

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार/राजनांदगांव
रायपुर, सोमवार 02 जून 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

परित्यकता अशिक्षित बूंदों कुजूर जयपुर पैर लगाकर पुन: जीवन संघर्ष में आगे बढ़ेगी

रायपुर (विश्व परिवार)। जीवन विषमताओं से भरा होता है, बूंदों कुजूर 26 वर्षीय ग्राम कुमरता जिला रायगढ़ निवासी हैं। विवाह के कुछ वर्षों बाद ही पति ने त्याग दिया। दो बच्चों का बोझ लेकर मजदूरी से जीवन यापन करने लगी। चार माह पूर्व बीमारी से पैर काटना पड़ा। बूंदों के दो बच्चे अनुरोष 10 वर्ष 4 थी व ओबेद 3 री में अध्ययनरत है। पैर कटने से फिर जीवन दूभर हो गया। अशिक्षित बूंदों कुजूर ने परिस्थितियों से हार नही मानी। श्री विनय मित्र मण्डल द्वारा संचालित जयपुर पैर के स्थायी वर्कशॉप पचपेड़ी नाका में पहुंची। आज सखी ग्रुप की सखियों की हौसला अफजाई से पुन: जीवनपथ पर चल पड़ी। बूंदों कुजूर ने कहा कि वह जयपुर पैर लगाकर वापस मजदूरी कर सकेगी और अपने बच्चों को पढ़ालिखा कर उच्च शिक्षित बनाएगी। सखी ग्रुप द्वारा मन्थली मीटिंग में संघर्षरत लोगों के लिए राशि एकत्र की जाती है। आज सखी ग्रुप की उवर्शी लोढ़ा, चंचल बैद, शीतल गोलछा, हेमा दुग्गड़, स्नेहा कोचर व कृति गोलछा ने 8 पैर कटे दिव्यांगों को जयपुर पैर वितरित किए। इस अवसर पर श्री विनय मित्र मण्डल के संस्थापक महेन्द्र कोचर, पूर्व अध्यक्ष खेमराज बैद व दीपचंद कोटड़िया ने बताया कि विभिन्न बीमारियों व एक्सीडेंट से पैर गवां चुके 8 दिव्यांगों को 9 जयपुर पैर दिये गए। अर्जुन ध्रुव निपनिया बलौदाबाजार, उत्तम जंगहेल, गंदेई, रामावतार यादव बेमेतरा, चीकू भारद्वाज, कोंडागांव, इंद्रजीत कुंजाम महासमुंद, बूंदों कुजूर कुमाता रायगढ़, अर्जुन साहू अंबागढ़चौकी बेनूराम विश्वकर्मा नंदनी(दोनों पैर) शिविर में लाभान्वित हुए।

बारिश के पहले शहर के सार्वजनिक कुंओ की सफाई जारी, प्रथम चरण में 15 कुंआ होगा साफ

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। ग्रीष्म ऋतु के प्रारंभ से ही भू-जल स्तर कम होने के कारण जल संकट की स्थिति निर्मित हो रही थी,

जिसे ध्यान में रखकर मोहारा शिवनाथ नदी एनीकट से सील्ट निकालने की कार्यवाही की गयी और इसी कडी में नगर निगम द्वारा शहर के सार्वजनिक कुँओ की सफाई करने का बीडा उठाया तथा महापौर श्री मधुसूदन यादव के निर्देश पर आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने प्रक्रिया कर प्रथम चरण में 15 कुँओ की सफाई करने विधिवत कार्यादेश जारी किया। जिसके परिणाम स्वरूप निगम सीमाक्षेत्र के कुओ की सफाई प्रारंभ हो गई। कुँआ सफाई का जायजा लेकर महापौर श्री यादव ने सभी कुँओ से सील्ट निकाल कर अच्छे तरीके से सफाई करने के निर्देश दिए।

निगम के 5 कर्मचारी सेवानिवृत्त, दी गई भावपूर्वक बिदाई

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम के सभागृह में आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बिदाई समारोह में राजस्व विभाग में सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर कार्यरत श्री देवकुमार निर्वाणी, व श्री शिवराम यादव, जल विभाग में लाईनमेन के पद पर कार्यरत श्री भागीरथी साहू, स्वास्थ्य विभाग में सफाई कामगार के पद पर कार्यरत श्रीमती बुधियारिन बाई व श्रीमती राधाबाई बासफोड तथा लोककर्म विभाग में मजूदर के पद पर कार्यरत श्रीमती पुसई बाई व श्रीमती कन्नाबाई बंजारे को सेवानिवृत्त होने पर भावपूर्वक बिदाई दी गयी।

चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज के केन्द्रीय महाधिवेशन में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

कहा- चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज का है गौरवशाली अतीत, छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने में सामाजिक संस्थाओं की है महत्वपूर्ण भूमिका

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज का अतीत गौरवशाली रहा है। समाज में छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे प्रतापी शासक हुए, वहीं सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान विभूतियाँ हुईं, जिन्होंने देशी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज न केवल परिश्रम और स्वाभिमान का प्रतीक है, बल्कि यह समाज छत्तीसगढ़ के विकास का आधार स्तंभ भी है। छत्तीसगढ़ को नई दिशा और विकसित राज्य बनाने में इस समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री श्री साय आज दुर्ग जिले के ग्राम कोलिहापुरी में आयोजित चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज के केन्द्रीय महाधिवेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा तथा विधायक श्री अजय चन्द्राकर, श्री गजेन्द्र यादव एवं श्री ललित चन्द्राकर विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रीय समाज के अधिकांश लोग मूल रूप से किसान हैं और व्यापक स्तर पर कृषि कार्य से जुड़े हैं। प्रदेश सरकार किसान भाइयों के चेहरों पर हमेशा खुशी देखना चाहती है। सरकार लगातार किसान भाइयों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। इस समय 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में 29 मई से 12 जून 2025 तक चल रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को किसानों से सीधे जोड़ना और नई कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं तथा सफल कृषि मॉडलों की जानकारी देना है। कृषि वैज्ञानिकों के 100 समूह छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों में किसानों से संवाद कर रहे हैं। ये वैज्ञानिक किसानों को ऑर्गेनिक खेती, खाद और 'सॉयल हेल्थ कार्ड' के सही उपयोग के बारे में जागरूक कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ का हर किसान तकनीकी रूप से सक्षम हो और उनकी आय में वृद्धि हो।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेती-किसानी तभी मजबूत होगी जब किसान भाइयों को उनकी उपज की सही कीमत मिलेगी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विधानसभा चुनाव के समय गारंटी दी थी कि प्रदेश में सरकार बनने पर किसानों को दो साल का बकाया बोनस दिया जाएगा। इसे पूरा करते हुए हमने किसानों के खातों में सरकार बनते ही राशि अंतरित की। मोदी जी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की जा रही है। बीते खरीफ सीजन में राज्य में 149 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी का नया रिकॉर्ड बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी उपज की पूरी कीमत मिल रही है। धान खरीदी के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, जिससे प्रदेश में खेती के प्रति किसानों का रुझान बढ़ रहा है। प्रदेश में सिंचाई के संसाधनों को बढ़ावा देने के साथ-साथ पशुपालन और मत्स्य पालन को भी प्राथमिकता दी जा रही है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए गरीब परिवारों को दो-दो दुधारू पशु दिए जाएंगे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को सौंपी गई है। किसानों को दूध बेचने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए दुग्ध एकत्र करने के लिए भी व्यवस्था की गई है।

सुशासन तिहार का अंतिम शिविर मोहारा में हुआ आयोजित

महापौर ने हितग्राहियो को आयुष्मान मय वंदन कार्ड, श्रम कार्ड व ड्राईविंग लायसेंस का किया वितरण

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार 2025 के तहत प्राप्त आवेदनो का समाधान बताने निगम सीमाक्षेत्र के वार्डो के लिए 10 स्थानों पर 5 मई से 31 मई तक समाधान शिविर आयोजित किया गया।

समाधान शिविर के अंतिम कडी में शनिवार को मोहारा में ग्रामीण वार्ड मोहारा, सिंगदई, मोहड व हल्दी के लिए आयोजित शिविर में अपनी समस्या का समाधान जानने वार्डवासियों में उत्साह था और बडी संख्या में उपस्थित होकर उन्होंने समाधान जान शासन की योजना का लाभ लिया। आज के शिविर में महापौर श्री मधुसूदन यादव शामिल होकर बडी संख्या में उपस्थिति के लिए वार्डवासियों तथा सभी शिविर के सफल आयोजन के लिए जनप्रतिनिधियो, नागरिको, वार्डवासियो, पत्रकार बंधुओ एवं अधिकारियो व कर्मचारियो का आभार व्यक्त किया।

महापौर श्री यादव ने कहा कि सरकार ने जिस सोच के साथ सुशासन तिहार का आयोजन किया उसका अच्छा प्रतिसात मिला और नागरिको ने चाहे गॉव हो या शहर अपने समस्या संबंधी आवेदन लगा उसका समाधान जानने तथा शासन की योजना का लाभ लेने उत्साह से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय जी का आभार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं अन्य ऐसी समस्या जिसका आवेदन आया है उसका भी प्राथमिकता से अतिशीघ्र निराकरण किया जाऐगा, तभी सुशासन तिहार सार्थक होगी। आज के शिविर में सिंदई की 72 वर्षीय रमला बाई तथा सिविल लाईन की 78 वर्षीय रेखा बाई ने समाधान शिविर आयोजन के लिए सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा कि बिना बार बार चक्कर काटे अपने वार्ड में ही आयुष्मान कार्ड बनकर मिला जिससे मै अपने बीमारी का ईलाज 5 लाख रूपये तक नि:शुल्क करा सकती हूँ।

राष्ट्रीय संस्था नवाचारी गतिविधियां समूह भारत ने 150 से अधिक शिक्षकों का किया सम्मान

आरंग (विश्व परिवार)। गुरुवार को नवाचारी गतिविधियां समूह भारत द्वारा प्रदेश स्तरीय, नवाचार करने वाले शिक्षकों का सम्मान समारोह का आयोजन रायपुर डाइट के हनुमान हाल में किया गया। जिसमें शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में पदस्थ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल को नवाचारी गतिविधियां समूह प्रमुख

संजीव कुमार सूर्यवंशी व डाइट के प्राचार्य बी एल देवांगन के कर कमलों से शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित किया। शिक्षक पटेल ने बताया यह संस्था देश भर के अलग-अलग क्षेत्रों में नवाचार कर रहे शिक्षको का समूह है।जो प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ सहित प्रत्येक राज्यो के विकासखंड स्तर पर नवाचार करने वाले उत्कृष्ट शिक्षको का चयन कर सम्मानित करते हैं।इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ के 150 से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओं को चयनित कर सम्मानित किया गया। वहीं शिक्षक महेन्द्र को शिक्षा रत्न सम्मान मिलने पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा, जनपद सीईओ कुमार सिंह लहरें, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मातलीनंदन वर्मा, नवाचारी गतिविधियां समूह सदस्य शिक्षिका शीला गुरु गोस्वामी, नवाचारी शिक्षक अरविंद वैष्णव, शिक्षक संगठन से हरीश दीवान, सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन, रानी पद्मावती महिला संगठन, कलाकार संगठन, किसान संगठन, सामाजिक जनों सहित पदस्थ संस्था के शिक्षको व बच्चों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिए हैं।

शासकीय शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय बिलाईगढ़ में पत्रकारिता प्रशिक्षण शिविर समर कैंप का समापन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय बिलाईगढ़ में पत्रकारिता प्रशिक्षण शिविर समर कैंप का समापन और प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन, डॉ डी आर साहू, प्राचार्य शास महाविद्यालय कसडोल के मुख्य आतिथ्य, जनभागीदारी अध्यक्ष जगदीश पांडे के विशिष्ट आतिथ्य और प्राचार्य डॉ उमाकांत मिश्र की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।इस अवसर पर डॉ उमाकांत मिश्र ने शास महाविद्यालय कसडोल, शास महाविद्यालय भटगांव और शास शहीद वीर नारायण सिंह महाविद्यालय बिलाईगढ़ के प्रशिक्षण ले रहे छात्र छात्राओं को प्रोजेक्ट तैयार करने के रूप में समाचार पत्र प्रकाशन के लिए साधुवाद दिया। लक्ष्य निर्धारित कर गतिशील रहने से मंजिल मिलना तय है।छात्र जीवन का सदुपयोग करने हेतु श्री मिश्र ने छात्रों को प्रेरित

किया। जनभागीदारी अध्यक्ष श्री जगदीश पांडे ने इस शानदार आयोजन के लिए प्राचार्य और आयोजक श्रीमती सुनीता विक्रम कोशले को बधाई दी।उन्होंने बाहर से ख्याति लब्ध विद्वानों को आमंत्रित कर इस क्षेत्र के छात्रों को लाभ पहुंचाने को उपलब्धि निरूपित किया। छात्र हित में हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहने का श्री पांडे ने वचन दोहराया।मुख्य अतिथि डॉ डी आर साहू, प्राचार्य कसडोल ने इस आयोजन में कसडोल के छात्रों को सम्मिलित करने हेतु प्राचार्य को धन्यवाद दिया। डॉ साहू ने कहा कि वर्तमान समय में मानदंडों पर आधारित पत्रकारिता करना कठिन किंतु स्वागत योग्य कार्य है। छात्रों को हमेशा महापुरुषों की जीवनी पढ़नी चाहिए और प्रेरणा भी लेनी चाहिए। स्वामी विवेकानन्द जैसे अनेक महापुरुषों से जुड़ी अनेक कहानियों को सुनकर उन्होंने छात्रों को उत्साहित किया। प्रमाणपत्र वितरण के बाद श्रीमती सुनीता विक्रम कोशले, विभागाध्यक्ष ने छात्रों की कर्मठता और अतिथियों के सार्थक मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।अच्छे प्रतिभागी के रूप में योगेश, नीरज, काम्या, प्रकाश जैसे अनेक छात्रों का स्वागत किया गया।संचालक श्री रेशम कुमार चौहान के योगदान के प्राचार्य ने साधुवाद दिया।छात्रों के द्वारा बनाए गए समाचार पत्रों का अवलोकन कर अतिथि गण प्रभावित हुए।कलम क्रांति नामक समाचार पत्र को विशेष सराहना मिली।कसडोल और भटगांव महाविद्यालय के छात्रों के समाचार पत्र से भू अतिथि बहुत प्रभावित हुए।हर्षोल्लास के साथ आज पत्रकारिता दिवस पर दस दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ।

अब निजी क्षेत्र भी औद्योगिक पार्क बना सकेंगे, सरकार देगी अनुदान

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने राज्य की औद्योगिक नीति में बड़ा बदलाव किया है। अब 15 एकड़ या उससे अधिक जमीन वाले निजी क्षेत्र भी औद्योगिक पार्क की स्थापना कर सकेंगे। राज्य सरकार प्रति एकड़ 20 लाख रुपए की अनुदान प्रदान करेगी।

नई नीति के तहत अगर कोई व्यक्ति या निजी संस्था 15 एकड़ भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित करना चाहता है, तो उन्हें कुल 3 करोड़ रुपए तक का अनुदान मिल सकता है। साय सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के प्रत्येक जिले में कम से कम एक निजी औद्योगिक पार्क स्थापित काने की योजना है, जिससे रोजगार और निवेश को बढ़ावा मिल सके।

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर विशेष:नगर निगम सभागार में निगम क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का हुआ सम्मान

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम द्वारा पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सासंद विजय बघेल, विधायक गजेंद्र यादव, विधायक ललित चन्द्राकर, महापौर अलका बाघमार, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण किया। महापौर श्रीमती बाघमार व आयुक्त सुमित अग्रवाल ने बुके से मुख्य अतिथि एवं विधायक का स्वागत किया।

सासंद विजय बघेल ने कहा कि मंच पर महिलाओं का सम्मान एक प्रतीक है। असल में हम सभी मातृशक्ति का सम्मान करते है। उन्होंने अहिल्या बाई होलकर द्वारा किए कार्यो को अनुकरणीय कहा, नारी का सम्मान हर दिन हो।

विधायक गजेंद्र यादव ने कहा महारानी अहिल्याबाई के जीवन काल पर प्रकाश डाला गया और धर्म जागरण, सामाजिक सुधार, लोककल्याणकारी कार्यो की सराहना की गई।उन्होंने ये भी कहा कार्यक्रम आयोजन का मुख्य उद्देश्य महारानी अहिल्याबाई के आदर्शों को जनता तक पहुंचाना और उनके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा देना।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि नारी शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने देवी अहिल्याबाई को न्याय की देवी के रूप में निरूपित की।उन्होंने कहा महिलाओं के लिए गुणात्मक व्यापार और उन्हें शिक्षा से जोड़ने अहिल्या बाई होलकर ने तीन सौ वर्ष पहले की थी।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवनी का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कार्यक्रम आयोजन का मुख्य उद्देश्य महारानी अहिल्याबाई के आदर्शों को जनता तक पहुंचाना और उनके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा देना।

कार्यक्रम में एमआईसी देवनारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, लीना देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, मनीष साहू, नीलेश अग्रवाल, लीलाघर पाल, काशीराम कोसरे, शशि साहू, शिव नायक, हर्षिका जैन के अलावा पार्षदगण के अलावा डिप्टी कमिश्नर मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, वीपी मिश्रा, संजय ठाकुर सहित शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष दिव्या कालिहारी, माया बेलचंदन, समेत कई गणमान्य व्यक्ति, भाजपा पदाधिकारी, स्वा सहायता समूह निगम अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए।स्वच्छता दीदी और शहर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओ का शाल, श्रीफल मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित सांसद विजय बघेल, विधायक गजेंद्र यादव, ग्रामीण विधयाक ललित चन्द्राकर, महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक द्वारा किया। कार्यक्रम में पीएम आवास बीएलसी घटक के तहत पात्र 15 हितग्राहियो को भी स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। सभापति श्याम शर्मा ने कार्यक्रम का समापन कर सभी का आभार व्यक्त किया।

अतिथियों ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, बलिदान और पराक्रम पर प्रकाश डाला

निगम द्वारा कार्यक्रम में इनको मिला सम्मान- नीलू सिंह महिला शिक्षा के क्षेत्र, कनिका चन्द्राकर खेल के क्षेत्र, बेबी चन्द्राकर, निर्माण कार्य, भारती चन्द्राकर, महिला सशक्तिकरण, शारदा यादव, महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने, रोशनी साहू रंगोली आर्टिस्ट, निगम कर्मचारी मुगे सेन्द्रे, माधुरी पात्रों, सुनीता चांवरिया को स्वच्छता एवं कार्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ शामिल रही इनके अलावा महिला समूह गठन में कार्य करने वाली सीआरपी महिलाओं को श्री फल देकर सम्मानित किया गया।

संस्कारधानी में गूंजे एनएचएम कर्मचारियों के स्वर

छत्तीसगढ़ प्रदेश पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई जिला स्तरीय बैठक

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ की जिला स्तरीय बैठक आज संस्कारधानी राजनांदगांव के महाराष्ट्र मंडल भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के संविदा कर्मचारियों की लंबित मांगों और आगामी प्रदेश स्तरीय आंदोलन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

ज्ञात हो कि ह॥रूके संविदा कर्मचारी विगत 20 वर्षों से नियमितीकरण, ग्रेड पे, मेडिकल अवकाश, एवं स्थानांतरण नीति जैसी मूलभूत मांगों को लेकर लगातार संघर्षरत हैं। विगत माह स्वास्थ्य भवन रायपुर का घेराव कर कर्मचारियों ने प्रशासन का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित किया था, जिसमें संघ पदाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बैठक कर एक माह के भीतर समाधान का आश्वासन दिया गया था। परंतु, तय समय सीमा समाप्त होने के बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे प्रदेशभर के कर्मचारियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

प्रदेश नेतृत्व द्वारा स्पष्ट किया गया कि यदि शीघ्र ही समाधान नहीं किया गया, तो प्रदेशभर में बड़ा और व्यापक आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा। इसी संदर्भ में राजनांदगांव जिले में यह बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला स्तरीय संगठन का पुनर्गठन भी किया गया।

बैठक में पदाधिकारियों की घोषणा की गई- जिलाध्यक्ष- डॉ. किरण गायकवाड़, उपाध्यक्ष- रोशन नदेश्वर, सचिव- हितेंद्र कोसरे, कोषाध्यक्ष- अनिल कुमार पारधी, सदस्यगण- प्रकाश साहू, पंकज झा, सलाहकार- अखिलेश नारायण सिंह, राकेश कुर्रे, बृजेश ताम्रकार, डॉ पायल श्रीवास्तव, विशेष आमंत्रित सदस्य- मोहन साहू, अभिषेक शर्मा, हेमंत साहू, विवेक मेश्राम (खैरागढ़ से)।

बैठक में प्रदेश संगठन से प्रमुख रूप से उपस्थित रहे- हेमंत सिन्हा, डॉ. रविशंकर शंकर दीक्षित, पूरन दास, दुर्ग जिलाध्यक्ष डॉ. आलोक शर्मा, डॉ. सत्या बारले, शेखर ताम्रकार, भीष्म साहू, गजेंद्र गुप्ता, डॉ. तेज देशलहरे सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीगण। संघ ने स्पष्ट किया कि अब यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया, तो प्रदेशभर के ह॥रूकर्मी चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर
(छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम- सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर** में स्थित **भवन क्र. एल.आई.जी.-1167, श्री अजय पाल सिंह सलूजा उर्फ विक्की सलूजा पिता श्री ए.एस. सलूजा,** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक **5853** दिनांक **30.10.2006** द्वारा भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक **28.11.2024** को सेलडीड पंजीकृत करा लिया गया है। तत्पश्चात् वर्तमान में आबंटी **श्री अजय पाल सिंह सलूजा उर्फ विक्की सलूजा पिता श्री ए. एस. सलूजा, निवासी- वरन अपार्टमेंट, ब्लॉक-604, अमलीडीह, राधेश्याम पेट्रोल पम्प के पास, रायपुर (छ.ग.)** द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्रीमती पारो जगत पति श्री कमल प्रसाद जगत, निवासी-1164, भगत किराना स्टोर, सी.जी. हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में **विक्रय करने** हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के **विक्रय के संबंध** में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था बैंक इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिन के** आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद में आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार
रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर सोमवार 02 जून 2025

आदमाबाद-घोटिया-डौंडी सड़क डेढ़ साल में ही लगे धंसने, जगह जगह से टूटने लगी स्लैब, नजर आ रहे सड़क के नीचे गहरे गड्ढे

बालोद। जिले के ग्राम झलमला के आदमाबाद चौक से डौंडी तक मुख्यमार्ग जिसका निर्माण 2021 में प्रारंभ हुआ था और 2023 में इस कार्य को पूर्ण भी कर लिए गया। लेकिन डेढ़ साल के भीतर ही सड़क निर्माण में हुई गड़बड़ी की पोल खुलने लगी है। सड़क जगह जगह अंदर की ओर धस चुकी है, तो वही सड़क के किनारे बनाये गए स्लैब टूट गए है, वही कुछ स्थानों से सड़क उखड़नी भी शुरू हो गई हैं। दरअसल आदमाबाद-घोटिया-डौंडी तक 41 किमी लंबी सड़क की प्रशासकीय स्वीकृति 8 सितंबर 2021 को हुई थी। जिसकी निविदा राशि 79.29 करोड़ रुपए थी, जिसे कवर्धा के ठेकेदार में कन्हैया लाल अग्रवाल के फर्म ने 21.21% बिलो (कम) में लिया था, जिसके बाद इस सड़क की राशि 62.47 करोड़ हो गई और विभाग द्वारा ठेकेदार को 27 अक्टूबर 2021 को इस कार्य का कार्यादेश प्रारंभ होने के बाद कार्य प्रारंभ किया गया था। इस निर्माण कार्य में ठेकेदार को मिट्टी कार्य के बाद सबसे निचली परत पर बिछने वाली GSB (Granular Sub Base) (ग्रेन्युलर सब-बेस) तथा WMM (Wet Mi& Macadam) दोनो को 41.00 मिमी बिछाई जानी थी, इस कार्य के दौरान ही कई बार निर्माण कार्य में अनियमितता की शिकायत स्थानीय ग्रामीणों द्वारा की गई थी। वही इस अनियमितता की खबर के बाद ठेकेदार को नोटिस भी जारी की गई थी। वही इस कार्य के बाद जब सड़क पर बीटी डामरीकरण किया गया, उस वक्त भी लगातार गुणवत्ताहीन कार्य की शिकायते मिलती रही थी। लेकिन विभागीय इंजीनियर और अनुविभागीय अधिकारी द्वारा शिकायतों को नजर अंदाज करते हुए कार्य को समय पर पूर्ण कराने के चक्कर में गुणवत्ता की अनदेखी कर दी गई। यही नही इस सड़क निर्माण के द्वारा अलग जगहों पर करीब 64 ह्युम पाइप पुलिया 04 मध्यम पुल तथा 45 नग स्लैब का निर्माण किया जाना था। आपको बता दे कि जब इस सड़क निर्माण का कार्य शुरू हुआ था, तब ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता को ताक पर रख निर्माण कार्य किया गया।

टूटने लगी है स्लैब

निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता की अनदेखी के चलते जहां सड़क निर्माण के बाद ही रिपेयर मांगना शुरू कर दिया है। वही सीमेंट कांक्रीट से बने स्लैब भी अब टूटने लगी है। यही नही स्लैब के टूटने के चलते सड़क और किनारे की पकड़ भी लगातार कमजोर हो रही है। जिसके चलते सड़क के नीचे गहरे गड्ढे नजर आने लगे है। और इस सड़क पर भारी मालवाहको के गुजरने पर कुछ जगहों पर सड़क धसने का भी अंदेशा साफदिखाई देने लगा है।

पहाड़ी इलाकों से आने वाले पानी की रोकथाम को किया नजर अंदाज

सड़क निर्माण की दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारियो ने एक नही कई ऐसे गलतियां की है, जिसके चलते बारिश में पहाड़ी से आने वाले तेज पानी के बहाव के निकासी को भी नजरंदाज कर दिया है। जिसका उदाहरण पायनियर द्वारा ली गई तस्वीरों में भी दिखाई दे रहा है। पहाड़ी और घाट वाले स्थान पर जो स्लैब बनाई गई थी, वह स्लैब टूटने लगीं है। वही पहाड़ी से आने वाले पानी की उचित निकासी नहीं होने से पानी अब स्लैब के निचले हिस्से को भी क्षति पहुंचाते हुए सड़क के निचले हिस्से की मिट्टी की भी कटाई शुरू कर दी है। जिसके चलते घाटी वाले जगहों पर ऊपर से चिकनी दिखने वाली सड़को के निचली सतह अब खोखले होना शुरू हो गया है। जिसके चलते सड़क की मजबूती पर खतरा मंडराने लगा है

बारिश में बढ़ सकता है खतरा

आपको बता दे की झलमला चौक से करीब 10किमी दूरी पर मुल्ले चौक के पहले घाटी में कुछ जगहों पर स्लैब टूटने लगी है। तथा सड़क अंदर से खोखली भी होने लगी है। यही नही इस सड़क पर रोजाना रेत व आयरन ओर से भरी वाहने, यात्रियों से भरी बस सहित अन्य बड़ी बड़ी भारी मालवाहको का लगातार आवाजाही लगी रहती है। इन हैवी वाहनों से सड़क पर दबाव भी बहुत ज्यादा रहता है। यदि अतिशीघ्र इस सड़क की खामियों को दूर नही किया गया तो आने वाले बारिश के मौसम में सड़क धसने से इंकार नहीं किया जा सकता।

आपके माध्यम से जानकारी मिली है। मैं एसडीओ औऱ इंजीनियर के साथ निरीक्षण कर लेती हूं, चूंकि यह सड़क परफार्मेंस गारंटी पर है, तो हम ठेकेदार को लिखित में निर्देश कर सुधार कार्य करवाएंगे।

पूर्णिमा चंद्रा, ईई, लोक निर्माण विभाग, बालोद

संविधान बचाओ रैली को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने की बैठक

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 31 में को जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के तत्वाधान में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसे लेकर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के कार्यालय में जिला कांग्रेसियों की बैठक रखी गई बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार चाहे केंद्र हो अथवा राज्य सभी संवैधानिक संस्थाओं को आरएसएस के एजेंडे के अनुसार तोड़ मरोड़ रही है संवैधानिक ढांचा ध्वस्त हो रहा है संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है जिसे लेकर कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आम जनता में इस बात को पहुंचाने के लिए 31 में को संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सभी कांग्रेसियों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना है तथा किस तरह भाजपा सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं का दमन किया जा रहा है उसे आम जनता तक घर-घर जाकर पहुंचना है जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाली इस रैली के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को आमंत्रित किया गया है।

जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज छत्तीसगढ़ कांग्रेस सह प्रभारी विजय जांगिड़ छत्तीसगढ़ के पूर्व कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू रविंद्र चौबे गुरु रुद्र कुमार पूर्व संसदीय सचिव गुरुदयाल सिंह बंजारे को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से इस रैली में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है बैठक में ललित विश्वकर्मा महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा लुकेश वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेमेतरा हरीश साहू सदस्य जिला पंचायत बेमेतरा दिनेश कुमार पटेल अध्यक्ष सेवादल टी आर जनार्दन मनोज शर्मा सनत धर दीवान जोगिंदर छाबड़ा सुनील नामदेव दीपक दिनकर चंद्र कुमार सीतलानी रश्मि मिश्रा रीता पांडे रूबी सलूजा हेमीन यादव जनता साहू शत्रुघ्न साहू अजय राज सेन शंकर सिंह चौहान वाहिद रवानी रूप सिंह साहू रवि गुप्ता राम यदु बालक दास राघवेंद्र मनु देवशरण पप्पू साहब टोकेश्वर साहू रोमन वर्मा राहुल जोशी मोहन वर्मा राजू वर्मा मिर्ची लाल साहू गुरेन्द्र वर्मा कुमार वर्मा राजू वर्मा रामकुमार ठाकुर देवा गर्ग सीताराम यदु मोहन वर्मा कौनन अली कुंजी लाल दुबे सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भरेवापारा-भद्राली विवाद में हिंसा का शिकार घायल की मौत, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। भरेवापारा और भद्राली गांव के बीच पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस गंभीर प्रकरण में जिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। घटना दिनांक 28 मई 2025 की है, जब प्रार्थी दीपक यादव, निवासी भद्राली ने थाना पंडरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात्रि लगभग 7:30 बजे मोटरसाइकिल से जाने की बात को लेकर भरेवापारा निवासी फलित यादव एवं बाबूलाल के पुत्र मुकेश यादव द्वारा उनके परिजनों से मारपीट की गई। इस हमले में लक्ष्मीनारायण, वीरेंद्र यादव एवं सुरेंद्र यादव घायल हो गए थे। विवेचना के दौरान 29 मई को सूचना प्राप्त हुई कि घायल वीरेंद्र यादव की उपचार के दौरान बिलासपुर में मृत्यु हो गई। तत्पश्चात मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) बीएनएस जोड़ी गई और अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी और गिरफ्तारी के निर्देश दिए। टीम ने तत्परता से कार्य करते हुए आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया।

यह घटना भरेवापारा और भद्राली गांवों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद की एक और दुखद कड़ी है। पुलिस प्रशासन ने अपने तेज और निष्पक्ष कार्रवाई से यह संदेश दिया है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीएम किसान योजना में ई-केवाईसी कराने के नाम से लिंक का मैसेज करने वाले जालसाज से रहें सावधान

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस द्वारा साइबर अपराधों से बचाव हेतु आमजन से महत्वपूर्ण अपील की गई है। हाल ही में एक किसान को पीएम किसान योजना में ई-केवाईसी के नाम पर एक संदिग्ध लिंक भेजा गया, जिस पर क्लिक करने से उसका मोबाइल फोन हैक हो गया और उसके बैंक खाते से हजारों रुपये की राशि जालसाजों द्वारा निकाल ली गई। पीड़ित ने तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराई। बेमेतरा पुलिस की अपील है कि सतर्क रहें, सुरक्षित रहें, फर्जी लिंक और लुभावने ऑफर्स से बचें जो व्हाट्सएप या मैसेज के माध्यम से आते हैं। किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और ओटीपी, पासवर्ड या बैंक डिटेल्स किसी से साझा न करें। किसी भी योजना या बैंकिंग सेवा का लाभ केवल आधिकारिक वेबसाइट से ही लें। गूगल पर दिखने वाले फर्जी हेल्पलाइन नंबर से सावधान रहें। किसी भी अनजान कॉल, वीडियो कॉल, या वाट्सऐप कॉल को रिसीव न करें। सोशल मीडिया अकाउंट (फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि) को सुरक्षित रखें, पासवर्ड मजबूत बनाएं और प्रोफाइल लॉक करें। साइबर फ्रॉड होने पर इसकी शिकायत थाने/साइबर थाने या हेल्पलाईन नंबर 1930 में कॉल करें या नेशनल सायबर क्राइम रिर्पोटिंग पोर्टल पर ऑनलाईन शिकायत दर्ज करें। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग राम गोपाल गर्ग के निर्देशन में सायबर प्रहरी अभियान की शुरुआत बेमेतरा जिले में की गई है। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक थाना/चौकी स्तर पर बीट वाइज साइबर प्रहरी व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से जनता को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जनता से अनुरोध है कि वे नजदीकी थाना/चौकी के बीट प्रभारी से संपर्क कर इस अभियान से जुड़ें और साइबर प्रहरी बनें। पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है – थोड़ी सी सजगता कई गंभीर अपराधों से बचा सकती है। नागरिकों की जागरूकता एवं सहभागिता से ही साइबर फ्रॉड से बचा जा सकता है।

पोकरना ने वित्त वर्ष 25 में 35.34% की रेवन्यू ग्रोथ और पैट में 114.68% में वृद्धि दर्ज की

प्रीमियम ग्रेनाइट और क्वार्ट्ज़ सरफ़ेस के भारत के सबसे बड़े एक्सपोर्टर पोकरना लिमिटेड ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए अपने ऑडिट किए गए वित्तीय परिणामों की घोषणा की। पोकरना क्वांट्रा ब्रांड के तहत और निजी लेबल पार्टनरशिप के माध्यम से प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मार्केट्स में ग्राहकों की पसंद की एक वाइड रेंज को पूरा करते हुए 100 से अधिक नए क्वार्ट्ज़ डिज़ाइन प्रदान करता है। गौतम चंद जैन, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि वर्ष के दौरान, सब्सिडियरी कंपनी पोकरना इंजीनियर्ड स्टोन लिमिटेड ने क्रियोस लाइन का रजिस्ट्रेशन किया, जिससे इसके प्लेटफॉर्म में नई तकनीकी क्षमता जुड़ गई। उम्मीद है कि यह एच2 एफ़्क्वाय 26 से रेवन्यू में योगदान देगा और क्रोमिया लाइन का काम चल रहा है और पूरा होने पर हाई-रिज़ॉल्यूशन डिज़ाइन प्रिंटिंग क्षमताएँ लाएगी। हैदराबाद के मकागुडा में विस्तार के बारे में उन्होंने बताया कि मशीनरी 25 दिसंबर तक आने की उम्मीद है और वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में चालू हो जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि पोकरना ऽ ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने शेयरधारकों को 30% का डिविडेंड घोषित किया है।

मिंत्रा की 22वीं ईओआरएस हुई शुरू, जिसमें मिल रहे हैं 10,000 ब्रांड्स के 4 मिलियन से ज्यादा स्टाईल

नईदिल्ली। भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल डेस्टिनेशंस में से एक, मिंत्रा की 22वीं एंड ऑफ रीज़न सेल (ईओआरएस) 12 जून तक चलेगी। ग्राहकों की इस पसंदीदा शॉपिंग ईवेंट का इंतजार पूरे देश में फैशन और सौंदर्य प्रेमी करते हैं। टियर 1, टियर 2 और उभरते हुए शहरों के ग्राहकों को इस सेल में 10,000 से अधिक ब्रांड्स के 4 मिलियन से ज्यादा स्टाईल मिलते हैं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय, स्वदेशी और घरेलू ब्रांड्स के बेहतरीन स्टाईल्स शामिल हैं। मिंत्रा की इस सेल में हर ग्राहक अपनी पसंद और ट्रेंड के अनुरूप सीज़न के सबसे स्टाईलिश फैशन और ब्यूटी उत्पाद खरीद सकता है। इस बार ईओआरएस में ग्राहकों को आकर्षित करने वाली श्रेणियों में मेन्स कैज़्युअल वियर, मेन्स एवं वीमेन्स एथनिक वियर, वीमेन्स वेस्टर्न वियर, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर, वॉच और वियरेबल्स, एक्सेसरीज़, ट्रैवल के लिए जरूरी वस्तुएं, स्पोर्ट्स फुटवियर, किड्स वियर और वेडिंग कलेक्शन शामिल हैं। इसमें लेविस, नाईकी, एडिडास, एचएंडएम, मैंगो, लॉरिआल, लैक्मे, लिबास, डिकैथलॉन, न्यू बैलेंस, रॉग्न, यूएस पोलो एसासिन, प्यूमा और रेयर रैबिट जैसे ब्रांड्स की जबरदस्त मांग रहने की उम्मीद है। हवादार सिल्हुएट्स से लेकर जीवंत स्टेटमेंट पीसेज़ तक इस कलेक्शन हर अवसर और हर मूड के लिए व्यक्तिगत स्टाईल मिलेंगे। ईओआरएस को और ज्यादा रोमांचक बनाने के लिए मिंत्रा के जेन ज़ी प्रपोज़िशन में एसजैडएन, फ्रीकिंस, बॉन्कंस कॉर्नर, ग्लिशेज़, अनूक रस्टिक, लुलु एंड स्काई, केपॉप, आउटज़ाईडर आदि ब्रांड्स के 2 लाख से अधिक ट्रेंड-फर्स्ट स्टाईल पेश किए जा रहे हैं।

22वें ईओआरएस में होने वाले आकर्षक लॉन्च- ईओआरएस का 22वाँ संस्करण कई नए लॉन्च के साथ बहुत रोमांचक होने वाला है। इनमें यूएस-स्थित प्रतिष्ठित ब्रांड, गैप और मशहूर डिज़ाईनर तरुण तहिलानी की लग्ज़री प्रेट लाईन, ओटीटी शामिल हैं। ये दोनों मिंत्रा पर पहली बार लॉन्च हो रहे हैं। लॉन्च होने वाले अन्य आकर्षक कलेक्शंस में ब्यूटी की श्रेणी में इंपोरियो अरमानी, एली साब, के-18 और नया आलिया भट्ट × लॉरिआल कास्टिंग क्रीम ग्लॉस लाईन है।

स्त्रीकर पसंद करने वालों के लिए इस बार एडिडास ओरिज़नल्स सुपरस्टार 2, एडिडास स्पेज़ियेल, प्यूमा पैलर्मो, और लोट्टो लेगेंडा पेश किए जा रहे हैं। होम एंड लिविंग श्रेणी में भी स्टाईलिश व नए लॉन्च रॉयल ओक, कॉयरफ्रिट और ड्रोगो की ओर से किए जा रहे हैं। इसके अलावा उभरती हुई प्रतिभाओं को सहयोग करने के लिए ग्राहक मिंत्राज़ राईज़िंग स्टार्स (एमआरएस) होम एडिट प्रोग्राम के अंतर्गत इस सीज़न नए ब्रांड लॉन्च की शॉपिंग कर सकेंगे, जिनमें फूल, मोडिश कूटर और स्लीप स्पा शामिल हैं। वॉच और वियरेबल्स श्रेणी में रियलमी (एयर 7 प्रो, एयर 7, और वायरलेस 5), स्विस मिलिटरी, नॉईज़ आईकन 2, बूल्ट (के30 और डबलू30)।

फूड सेफ्टी सिर्फ त्योहारों तक सीमितः होटल स्वच्छता गैस सुरक्षा और खानपान की गुणवत्ता पर प्रशासन मौन

कवर्धा। जिला मुख्यालय कवर्धा में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पूरे साल खुली रहने वाली होटलें, रेस्टोरेंट और मिठाई की दुकानें, स्वच्छता और सुरक्षा के बुनियादी मानकों से कोसों दूर हैं। लेकिन प्रशासन की सक्रियता सिर्फ त्योहारों के आसपास ही देखने को मिलती है, जब खानापूर्ति के तहत कुछ सैंपल लिए जाते हैं, नोटिस जारी होते हैं और मीडिया में तस्वीरें प्रकाशित कर विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है। त्योहारों के बाहर के महीनों में जिले में फूड सेफ्टी की उपस्थिति लगभग शून्य रहती है। होटल किचनों की हालत चिंताजनक है, जगह-जगह गंदगी, बासी तेल का उपयोग, खुले में रखी सामग्री और अस्वच्छ ढंग से खाना बनाते कर्मचारी आमदृश्य बन चुके हैं। अनेक जगहों पर खाने के बर्तनों को भी बिना ढके या साफ किए पुनः परोसा जाता है, जिससे खाद्य जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इससे भी अधिक गंभीर विषय है घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध उपयोग। अधिकांश होटल और ठेले घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग कर रहे हैं, जो न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि एक बड़े हादसे की संभावना को भी जन्म देता है। सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी के बावजूद कोई स्थायी निगरानी या कार्रवाई नहीं की जाती। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूरे साल वे इन होटलों से भोजन लेने को विवश हैं, लेकिन उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा व्यवस्था केवल त्योहारों तक सीमित रहती है। नागरिकों की मांग है कि प्रशासन को इस पूरे मामले को केवल एक 'सीजनल औपचारिकता' न मानते हुए, पूरे साल नियमित निरीक्षण, कड़ाई से नियमों का पालन और होटल व्यवसायियों में जवाबदेही तय करने की ठोस व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई कर, स्वच्छता व सुरक्षा को लेकर स्थायी और पारदर्शी तंत्र विकसित करना चाहिए ताकि जनता को सुरक्षित, साफ और गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित किया जा सके। कवर्धा में फूड सेफ्टी व्यवस्था की यह मौसमी सतर्कता अब पर्याप्त नहीं। जनता को त्योहारों के नहीं, हर दिन के भोजन में सुरक्षा चाहिए और इसके लिए विभाग को अब अपनी नींद से जागना होगा।

बाडी बिल्डिंग चैंपियनशीप चयन प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ से तीन अंतरराष्ट्रीय जज को आमंत्रित किया

बेमेतरा। 57 वी ऐशियन बाड़ी बिल्डिंग एंड फीजिक्स स्पोर्ट चैम्पियनशीप 2025 एवं 16 वर्ल्ड बाड़ी बिल्डिंग एंड फीजिक्स स्पोर्ट चैम्पियनशीप 2025 के भारतीय टीम के चयन हेतु इंडियन बाड़ी बिल्डिंरस फेडरेशन ने चयन प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश से तीन अंर्तराष्ट्रीय जज अरविंद सिंग भिलाई, महेन्द्र कुमार तेकाम बेमेतरा तथा बी. राजशेखर राव रेल्वे को आमंत्रित किया गया है। चयन प्रतियोगिता 02 से 03 जून तक सिल्विर प्लेस बेनक्यूट एंड लावंस पुने (महाराष्ट्र) में आयोजित किया जा रहा है। उक्त चयन प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ प्रदेश बाडी बिल्डिंरस एसोसियेशन के तीन अंर्तराष्ट्रीय जज अरविंद सिंग भिलाई, महेन्द्र कुमार तेकाम बेमेतरा तथा बी. राजशेखर राव रेल्वे का चयन किये जाने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश बाड़ी बिल्डिंरस एसोसियेशन के पदाधिकारियों एवं खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी है।

क्रॉम्प्टन ने वर्ल्ड इंटीरियर्स डे का मनाया जश्न, पेश किया अपना स्कल्प्टेड मार्वल - साइलेंटप्रो फ्लूइडो सीरीज

रायपुर। वर्ल्ड इंटीरियर्स डे विश्व इंटीरियर दिवस के अवसर पर, भारत के नंबर 1 फैन ब्रांड क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव (SilentPro Fluido Series) का अनावरण किया - इसका नवीनतम नवाचार जो उच्च प्रदर्शन को डिज़ाइन को प्राथमिकता देने वाली सोच से जोड़ता है। वर्ल्ड इंटीरियर्स डे के मौके पर, क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ङ्क भारत का नंबर 1 फैन ब्रांड ङ्क ने अपना नया पंखा साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव लॉन्च किया है। ये पंखा सिर्फ हवा देने वाला नहीं बल्कि घर की सजावट में चार चांद लगाने वाला एक स्टाइलिश आइटम भी है। यह दिखने में एकदम नया और अलग है ङ्क यानी कि काम भी करेगा और कमरे की सुंदरता भी बढ़ाएगा। इस लॉन्च के साथ, क्रॉम्प्टन सीलिंग फैन के एक नए युग की शुरुआत कर रहा है — जहाँ खूबसूरत डिज़ाइन और बेहतरीन परफॉर्मेंस एक साथ आते हैं। क्रॉम्प्टन घर की ज़रूरतों को नए नज़रिए से देखता है, जहाँ एक आम उत्पाद को बारीकी से तराशकर एक डिज़ाइनर मास्टरपीस में बदला गया है। आजकल लोग ऐसे घरों को बहुत सोच-समझकर सजाते है जो उनकी व्यक्तिगत शैली को दर्शाता है, और अक्सर न्यूनतम और समकालीन सौंदर्यशास्त्र को तरजीह देते हैं। उन्हें सादगी और स्टाइल दोनों पसंद हैं। वे सजावट की हर चीज़ का सोच-समझकर चुनाव करते है ताकि घर का हर कोना एकजैसा और दिखने में खूबसूरत लगे। हालांकि, ज़्यादातर सीलिंग फैन अब भी सिर्फ चलने के लिए लगाए जाते है, जो जरूरत का सामान बने हैं लेकिन आधुनिक इंटीरियर से मेल नहीं खाते।

संपादकीय

ईडी को फटकार

तमिलनाडु की खुदरा शराब कंपनी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच की ईडी की स्वत:स्फूर्त कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ी टिप्पणी की और यहां तक कह डाला कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सारी सीमाएं पार कर रहा है और शासन की संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू से दो टूक कहा, प्रवर्तन निदेशालय सभी सीमाएं पार कर रहा है। धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की सख्त धाराओं के दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कई पीठ पहले भी ईडी को जमकर फटकार लगा चुकी हैं। विपक्षी दल तो ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ अक्सर विरोध जताते ही रहते हैं। पीठ ने राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की दलीलों पर गौर करते हुए टीएएसएमएसी के खिलाफ जांच पर फिलहाल रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार और टीएएसएमएसी का तर्क है कि शराब दुकानों के लाइसेंस देने में कथित अनियमितताओं को लेकर हम पहले ही आपराधिक कार्रवाई शुरू कर चुके हैं। 2014 से अब तक इस मामले में 41 प्राथमिकियां दर्ज की जा चुकी हैं और अब ईडी बीच में कूदकर टीएएसएमएसी पर ही छापेमारी कर रही है। इस पर पीठ ने फटकार लगाते हुए ईडी से तीखा सवाल किया कि आप राज्य द्वारा संचालित टीएएसएमएसी पर कैसे छापा मार सकते हैं। तमिलनाडु सरकार ने संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अपनी याचिका में कानून के व्यापक प्रश्न उठाए हैं, जिनमें संघवाद का मुद्दा भी शामिल है। जिसमें ईडी अपने दायरे से बाहर जाकर और राज्य के अपराध की जांच करने के अधिकार को हड़पने का प्रयास कर रहा है। राज्य सरकार की दलील है कि टीएएसएमएसी को इन प्राथमिकी में से किसी में भी आरोपी नहीं बनाया गया है और कई मामलों में वह शिकायतकर्ता है। दरअसल, यह मामला राज्य और केंद्र सरकार के बीच काफी समय से चल रही चांदमारी का ही एक और नमूना है जिसमें ईडी तो कभी सीबीआई निशाने पर आते रहते हैं। यह उम्मीद की जानी चाहिए कि इस शर्मनाक स्थिति से बचने के लिए ईडी अपनी कार्यपणाली में बदलाव लाएगी।

अमरीकी राष्ट्रपति टैरिफ-एक अवसर

डा. अश्विनी महाजन

यूरोपीय देश, जो भारत से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अन्य प्रकार के सहयोग से बचते थे, अब भारत को प्रतिरक्षा के क्षेत्र में भी वैश्विक मूल्य श्रृंखला में शामिल करने के लिए आतुर हैं हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने एप्पल के सीईओ को धमकी दी थी कि कंपनी भारत में एप्पल फोन का उत्पादन बंद कर दे और इसके बदले एप्पल की फैक्टरी अमरीका में स्थानांतरित कर दे, लेकिन इसके बावजूद एप्पल की सहयोगी कंपनी फॉक्सकॉन ने एप्पल आईफोन के उत्पादन के लिए भारत में 1.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका में आयातित एप्पल फोन पर 25 प्रतिशत टैरिफकी घोषणा की है और कहा है कि अमरीका के बाहर उत्पादित एप्पल फोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ऐसा अमरीका के बाहर एप्पल फोन के उत्पादन को हतोत्साहित करने के लिए किया गया है। ऐसा लगता है कि कंपनी इस संबंध में अमरीकी राष्ट्रपति की बात मानने को तैयार नहीं है। इसी तरह अमरीका की टैरिफ घोषणा के बाद यूरोपीय आयोग ने भी रक्षा वस्तुओं के उत्पादन में भारत के साथ साझेदारी करने की इच्छा व्यक्त की थी, और स्पष्ट रूप से कहा था कि वे रक्षा वस्तुओं के उत्पादन में वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत को एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखते हैं। गौरतलब है कि 2 अप्रैल, 2025 को अमरीका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय ने विभिन्न देशों से आने वाले सामानों पर उच्च टैरिफ लगाने की घोषणा की, जिसे वे पारस्परिक टैरिफकहते हैं। चूंकि विभिन्न देश अमरीका से आने वाले सामानों पर अलग-अलग टैरिफलगाते हैं, इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप ने भी विभिन्न देशों पर अलग-अलग टैरिफलगाने का विकल्प चुना है। इस संदर्भ में, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिसका अर्थ है कि भारत से अमरीका को निर्यात किए जाने वाले सामानों पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने चीन पर पहले 54 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जबकि वियतनाम पर 46 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, ताइवान पर 32 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका पर 30 प्रतिशत और जापान पर 24 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया गया। इसके अलावा, अमरीकी प्रशासन ने धमकी दी कि अगर कोई देश भी अमरीका से आयात पर जवाबी कार्रवाई कर टैरिफबढ़ाता है तो वे भी टैरिफ और बढ़ा देंगे। इस संदर्भ में, चीन की जवाबी कार्रवाई और अमरीका से आयात पर टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद, ट्रंप प्रशासन ने चीन से आयात पर उसके बाद 104 प्रतिशत टैरिफलगाने का फैसला किया। हालांकि, एक हफ्ते से भी कम समय में, 8 फरवरी को ही राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कदम वापस ले लिए और पारस्परिक टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया, और कहा कि अब 75 देशों पर मात्र 10 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क ही लगेगा, लेकिन चूंकि चीन ने जवाबी कार्रवाई की है, ट्रंप ने उस पर पहले 104 प्रतिशत और फिर 145 प्रतिशत और उसके बाद तो 245 प्रतिशत का पारस्परिक टैरिफलगा दिया है। हाल ही में चीन और अमरीका में कुछ सहमति बनने के बाद अमरीका ने चीन पर टैरिफ घटाकर 30 प्रतिशत और 10 प्रतिशत कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप का तर्क है गलत : हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह तर्क देते हैं कि दूसरे देश अमरीकी सामानों पर ज्यादा टैरिफलगाते हैं, जबकि अमरीका विदेशों से आने वाले सामान पर कम टैरिफ लगाता है। इससे अमरीका को नुकसान होता है, क्योंकि अमरीकी सामान दूसरे देशों में जाकर महंगा हो जाता है, जिससे अमरीकी सामान कम प्रतिस्पर्द्धी हो जाता है। उनका कहना है कि उन्हें अमरीका में उद्योगों को पुन: स्थापित कर अमरीका को पुन: महान बनाना है। लेकिन उनका यह तर्क इसलिए गलत है क्योंकि भारत समेत दूसरे देश अमरीकी सामान पर अधिक टैरिफ डब्ल्यूटीओ में हुए समझौतों के अनुरूप लगाते हैं। उदाहरण के लिए भारत अपने देश में आने वाले सामानों पर 50.8 प्रतिशत भारित टैरिफलगाने का अधिकारी है। हालांकि भारत वास्तव में मात्र 6 प्रतिशत भारित टैरिफ ही लगाता है। भारत समेत अन्य विकासशील देशों को ज्यादा टैरिफ लगाने की अनुमति इसलिए दी गई थी क्योंकि डब्ल्यूटीओ में हुए समझौतों में भारत समेत अन्य विकासशील देशों को मात्रात्मक नियंत्रण लगाने, अपने लघु उद्योगों के संरक्षण करने, कृषि को अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों से अलग रखने, अपना बौद्धिक संपदा एवं विदेशी निवेश को नियमित करने हेतु कानून बनाने की स्वतंत्रता समेत कई अधिकारों से वंचित होना पड़ा था। इसके बदले में उन्हें अमरीका और अन्य विकसित देशों की तुलना में ज्यादा टैरिफ लगाने का अधिकार मिला था। ट्रंप द्वारा टैरिफयुद्ध के बाद वह अधिकार भी छिन रहा है। डब्ल्यूटीओ से हुआ नुकसान : यह साबित हो चुका है कि बहुपक्षीय समझौते भारत जैसे विकासशील देशों के लिए शुभ नहीं हैं। अब समय आ गया है कि जब अमरीका जैसे विकसित देश डब्ल्यूटीओ की अवहेलना कर रहे हैं, तो हमें भी डब्ल्यूटीओ में ट्रिप्स समेत अन्य शोषणकारी समझौतों से बाहर आने की रणनीति के बारे में सोचना चाहिए। ध्यातव्य है कि डब्ल्यूटीओ से पहले, भारत लगभग 10000 वस्तुओं के आयातों पर मात्रात्मक नियंत्रण (क्यूआर) लगाता था, लेकिन डब्ल्यूटीओ समझौतों के कारण वह संभव नहीं रहा। डब्ल्यूटीओ के विघटन के बाद अब मात्रात्मक नियंत्रण लगाना संभव हो सकेगा, जिससे हमें अपने उद्योगों को संरक्षित एवं संवर्धित करना संभव हो सकेगा। द्विपक्षीय समझौतों की जरूरत : नए परिदृश्य में, भारत को बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के बजाय द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के साथ अपने विदेशी व्यापार को बढ़ाना चाहिए। हालांकि अमरीका और अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करते समय, राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जानी चाहिए, खासकर हमारे किसानों और छोटे उद्यमियों की। हमने देखा है कि पिछले 10 वर्षों में, सरकार व्यापार समझौतों पर बातचीत करते समय किसानों के हितों और उनकी आजीविका की रक्षा कर रही है, चाहे वह ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से कृषि को बाहर करना हो, या डेयरी और कृषि पर इसके प्रतिकूल प्रभाव की चिंताओं के कारण क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) से बाहर आना हो। जहां तक कृषि और लघु उद्योग का सवाल है, इस नीति को जारी रखने की जरूरत है, खासकर जहां किसानों और श्रमिकों की आजीविका प्रभावित हो रही हो। इसके अलावा, भारतीय रुपए में विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयास सराहनीय है। हालांकि, यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि स्विफ्ट जैसी पश्चिमी प्रणाली को हमारे देश पर दबाव बनाने के लिए हथियार के रूप में इस्तेमाल न करने दिया जाए। पूरी दुनिया भू-आर्थिक विखंडन के दौर से गुजर रही है और इस परिदृश्य में सफलता की कुंजी 'राष्ट्र प्रथम' की नीति है। नई संभावनाएं : एक तरफ जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और दूसरे देशों पर शुल्क बढ़ाए जा रहे हैं और डब्ल्यूटीओ नियमों को दरकिनार किया जा रहा है, नए परिप्रेक्ष्य में नई संभावनाएं भी जन्म ले रही हैं। चूंकि राष्ट्रपति ट्रंप ने विभिन्न देशों पर अलग-अलग शुल्क लगाने का निर्णय किया है। चीन पर अधिक शुल्क लगाने और चीनी सामान अमरीका और यहां तक कि यूरोपीय देशों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की रुकावटें लगाने से भारत के लिए इन देशों में संभावनाएं बेहतर हुई हैं। यूरोपीय देश जो भारत से सामान्यत: प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अन्य प्रकार के सहयोग से बचते थे।

आलेख

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रहा मध्यप्रदेश

के.के.जोशी

मध्यप्रदेश देश के हृदय स्थल में बसा एक ऐसा राज्य है जिसने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में आज पूरे देश में नई मिसाल कायम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों को महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनाया है। स्व-सहायता समूह न केवल ग्रामीण और शहरी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनकी स्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं। पिछले कुछ समय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्यप्रदेश ने कई उपलब्धियों को हासिल किया है। सरकार की अनेक नीतियां और योजनाएं महिलाओं के उत्थान में सहायक सिद्ध हो रही हैं। मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूहों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जा रहा है। वर्तमान में, राज्य में 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनमें लगभग 62 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। ये समूह महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, कौशल विकास, और सामुदायिक नेतृत्व के अवसर प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि स्व-सहायता समूह न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का साधन हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी एक जन-आंदोलन है। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं जिनका प्रभाव राज्य के हर कोने में महसूस किया जा सकता है। मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है। लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है। इससे न केवल आर्थिक रूप से महिलाओं की स्थिति बेहतर हो रही है बल्कि महिलाएं डिजिटल युग की सहभागी भी बन रही हैं। इस योजना में 1.27 करोड़ महिलाओं को अब तक 35,329 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, 25 लाख महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 882 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों में बचत को प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना में वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रूपये से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं। राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना और ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय जागरूकता हम होंगे कामयाब अभियान चलाया गया। इसमें प्रदेश में जेंडर संवादों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, सायबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की महिलाओं को न केवल जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना भी सिखाया गया। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 1 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाया है। सरकार का लक्ष्य 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित कर रही है। मध्यप्रदेश में 850 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है, जिससे महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन मिला है। इसके अलावा, रेडीमेड गारमेंट उद्योग में कार्यरत महिलाओं को प्रति माह 5,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, जिससे उनकी मासिक आय में बढ़ोत्तरी हो रही है। राज्य सरकार ने नारी सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता में रखा है। पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाई गई है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। महिला हेल्पलाइन और महिला पुलिस स्टेशन जैसी सेवाओं को भी मजबूत किया गया है।

तंबाकू : मीठा ज़हर और धीमी मौत

डॉ. केशव पाण्डेय

हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक प्रयास है जो हमें चेताता है, झकझोरता है और प्रेरित करता है कि तंबाकू जैसी घातक लत से समाज को बचाया जाए। यह अवसर हमें आत्मचिंतन करने के साथ-साथ जनजागरूकता फैलाने का भी मौका देता है कि कैसे एक छोटी-सी आदत पूरे जीवन को निगल सकती है। आइये, जानते हैं, इस दिवस का महत्व, इसके पीछे की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और तंबाकू के दुष्परिणाम और इस वर्ष की खास थीम। तंबाकू का सेवन चाहे सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला या किसी अन्य रूप में किया जाए, यह शरीर के लिए धीमा ज़हर है। इसके सेवन से सबसे अधिक प्रभावित होता है हमारा श्वसन तंत्र और हृदय। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल दुनियाभर में 80 लाख से ज्यादा लोगों की मौत तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। इन मौतों में से लगभग 12 लाख लोग वे होते हैं जो स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करते, बल्कि परोक्ष रूप से यानी पैसिव स्मोकिंग से प्रभावित होते हैं। तंबाकू के सेवन से लाखां लोग अनेक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, इनमें फेफड़ों का कैंसर, मुँह का कैंसर, दिल का दौरा, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस, उच्च रक्तचाप हार्ट फेल्योर, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज, अस्थमा, दाँत गिरना, मसूड़ों में संक्रमण, सफेद धब्बे जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। इनके अलावा गर्भवती महिलाओं में भ्रूण की वृद्धि में बाधा, समय से पहले प्रसव, नवजात की मृत्यु जैसी जानलेवा बीमारियां शामिल हैं। भारत में भी तंबाकू एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। देश में हर साल लगभग 13 लाख लोग तंबाकू के कारण असमय काल के गाल में समा जाते हैं। यह कुल मृत्यु दर का लगभग 9.5 प्रतिशत है। इनमें से लगभग 10-12 लाख मौतें धूम्रपान से होती हैं, और शेष गुटखा, पान मसाला, हुक्का जैसे चबाने वाले तंबाकू उत्पादों से। जबकि मध्य प्रदेश में हर साल लगभग 90 हजार से एक 1 लाख लोगों की मौत तंबाकू सेवन के कारण होती है। राज्य में पुरुषों के बीच तंबाकू सेवन की दर 40 प्रतिशत से अधिक है, जबकि महिलाएं की लगभग 10से12 प्रतिशत। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, अगर तंबाकू पर सख्ती से नियंत्रण न लगाया गया, तो आने वाले दशकों में तंबाकू से हर साल 1 करोड़ मौतें हो सकती हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत विकासशील देशों में होंगी, उनमें भारत सबसे प्रमुख है। इस दिवस के इतिहास की बात करें तो विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरुआत 1987 में हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे पहली बार 7 अप्रैल 1988 को मनाने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बदलकर 31 मई कर दी गई। इसका उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना और सरकारों को तंबाकू नियंत्रण नीतियाँ लागू करने के लिए प्रेरित करना था। यह दिवस तंबाकू नियंत्रण नीतियों और कानूनों के समर्थन को एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। जिससे तंबाकू के सेवन को लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव हो और लोग इससे दूर हटने का प्रयास करें। प्रति वर्ष यह दिवस एक खास थीम पर मनाया जाता है। जो विशेष रूप से किसी एक पहलू पर केंद्रित होती है- जैसे कि युवाओं को तंबाकू से बचाना, पर्यावरण पर तंबाकू का प्रभाव, या तंबाकू उद्योग की रणनीतियों को उजागर करना। साल 2025 की तंबाकू निषेध दिवस की थीम- न्दडेंपदह जीम ।चचमंसरू म्गचवेपदह प्दकनेजतल ज्ंबजपबे वद ज्वइंबबव ंदक छपबवजपदम च्तवकनबजेष् यानी आकर्षक का पर्दाफाश : तंबाकू और निकोटिन उत्पाद पर इसके उद्योग की चाल को बेनकाब करना और उसकी नीतियों को उजागर करना है। तंबाकू उद्योग जानबूझकर अपनी नीतियों और विज्ञापनों के माध्यम से किशोरों और युवाओं को निशाना बनाता है। चमकीले पैकेट, आकर्षक विज्ञापन और फिल्मों में ग्लैमराइज्ड तंबाकू सेवन दृश्य, ये सब युवा मन को भ्रमित करते हैं। एक बार यह लत लग गई, तो इससे निकलना कठिन हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि ये रणनीतियाँ तंबाकू के सेवन को आकर्षक बनाती हैं, जिससे युवाओं में इसकी शुरुआत होती है और उसे छोड़ना मुश्किल हो जाता है। कंपनियां के इस भ्रमजाल से युवाओं बचाना है। यह थीम और दिन हमें यह सोचने का मौका देता है कि हम अपने और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी दुनिया बनाना चाहते हैं। क्योंकि तंबाकू के भी सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणाम होते हैं। तंबाकू न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी विनाशकारी है। गरीब और निम्न आय वर्ग के लोग तंबाकू सेवन के सबसे बड़े शिकार होते हैं, क्योंकि वे अक्सर जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होते हैं। जब ये लोग बीमार पड़ते हैं, तो उनकी कमाई रुक जाती है और इलाज पर भारी खर्च आता है। इससे परिवार गरीबी के दुष्चक्र में फँस जाता है। सरकार को भी तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर हर साल करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ते हैं, जो कि यदि तंबाकू नियंत्रण प्रभावी हो तो शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुधार में लगाए जा सकते हैं। यह आर्थिक बोझ केवल व्यक्तिगत नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी विनाशकारी होता है। इसीलिए आज इस दिवस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है युवाओं को जागरूक करना, उन्हें सशक्त बनाना और उन्हें विकल्प देना। हालांकि भारत सरकार ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके लिए केवल सरकार नहीं, समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा। शिक्षक, डॉक्टर, धर्मगुरु, माता-पिता, और मीडिया सभी को इस जन आंदोलन का हिस्सा बनना होगा। हर व्यक्ति जो तंबाकू छोड़ना चाहता है, वह एक नायक है।

भाषा में शालीनता क्यों गायब हो गई ?

कविता सिसोदिया

आज के युग में पढ़े-लिखे उच्च पद पर आसीन महानुभाव भी भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और जो मुंह में आ रहा है, बोल रहे हैं। एक मंत्री द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया को लेकर विवादित बयान दिया गया। उन्हें आतंकवादियों की बहन कहा गया। राजनीति-सोशल मीडिया का सच है एक छोटी सी पुरानी कहानी है कि एक बार एक सैनिक जंगल में भटक गया। वह अपने राजा और मंत्री को ढूंढता-ढूंढता जंगल में एक ऐसे स्थान पर पहुंचा, जहां एक अंधा व्यक्ति पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। उस सैनिक ने उसे देखकर कहा कि मैं भटक गया हूं, क्या आपने राजा या मंत्री को इस जंगल से जाते हुए देखा है। तो अंधे ने कहा कि वैसे तो मैं अंधा हूं, देख नहीं सकता, पर बता सकता हूं कि पहले यहां से राजा, फिर मंत्री और फिर उसके बाद नौकर एक-दूसरे को ढूंढते हुए निकले हैं। सैनिक ने कहा कि आप तो देख नहीं सकते फिर कैसे पता चला कि वे राजा, मंत्री और नौकर थे। तो अंधे व्यक्ति ने कहा पहले यहां से राजा जी गुजरे, उन्होंने मुझे पूछा सूरदास जी क्या आपने यहां से किसी घोड़े की टाप सुनी है। फिर मंत्री आया, उसने कहा जरा सुनिए महोदय, क्या यहां से घोड़े पर कोई गुजरा है? फिर नौकर आया, उसने कहा ओए! अंधे क्या तुमने यहां से हमारे राजा या मंत्री को जाते देखा है। भाषा की शालीनता से ही मैं बिना आंखों से भी पहचान गया कि सूरदास जी कहने वाला राजा था। जरा सुनिए महोदय कहने वाला मंत्री था और ओए! अंधे, कहने वाला नौकर था। इस प्रकार जो संस्कारित घराने से होगा, वह उतना ही सभ्य, शालीन और उदार होता है। शिक्षित, संस्कारित विद्वान तीसरे स्तर की भाषा कभी नहीं बोल पाता। अपमानजनक भाषा बोलने वाले को प्रत्युत्तर देने के लिए उसे भी उसी स्तर तक नीचे गिरना पड़ेगा, वैसा वह कर नहीं पाता और गहरी पीड़ा झेलता है। शब्द ब्रह्म स्वरूप होते हैं। एक बार प्रस्फुटित होने के बाद उनकी वापसी ठीक वैसे ही नहीं होती जैसे तरकश से निकले तीर की। प्राचीन युग से ही पुरुषों की लड़ाई में नारी का अपमान और शोषण किया जाता रहा है। उन्हें अपशब्द कहे जाते हैं और वह बेचारी बिना कसूर के पिसती है। मूर्ख और असभ्य लोग ही मां-बहनों के पीछे पड़ जाते हैं। साधारण नारी या लडक़ी का राह में अकेले चलना तो मुश्किल ही है। गली के गुंडे कई तरह के अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। परंतु आज के युग में पढ़े-लिखे उच्च पद पर आसीन

महानुभाव भी भाषा की मर्यादा भूल गए हैं और जो मुंह में आ रहा है, बोल रहे हैं। एक मंत्री द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया को लेकर विवादित बयान दिया गया। उन्हें आतंकवादियों की बहन कहा गया। आज की राजनीति और सोशल मीडिया में कुछ ऐसे लोगों का वर्ग बढ़ता जा रहा है जो बिना सोचे-समझे जो जुबान में आ रहा है, उसे बोल रहे हैं और हैरानी की बात यह है कि उन्हें इन अपशब्दों पर कोई पश्चाताप नहीं है। एक ऐसा वर्ग जो सभ्यता के नाम पर कलंक है। एक शिक्षित की भाषा मर्यादित होती है। मानव ने पृथ्वी लोक पर इतना विकास कर लिया, फिर भी वह सभ्य और सुसंस्कृत नहीं बन सका तो बहुत ही दुख की बात है। इन लोगों को भगवान का भी डर नहीं है। जब इनका दिल पुरुष को गाली देकर नहीं भरता, तो वे नीचता की सारी हदें पार करके उनकी मां-बहन या बेटी पर इतने घटिया चरित्रहनन और अश्लील शब्दों का प्रयोग करने लगते हैं कि बड़े से बड़ा गुंडा भी हैरान रह जाए। स्वर की देवी सरस्वती है तो क्या यह सरस्वती मां का अपमान नहीं है जिनसे हमें स्वर और विद्या का वरदान मिला। जब भारत कोविड-19 महामारी की विनाशकारी दूसरी लहर से गुजर रहा था, गंगा में सैकड़ों लाशें तैरती देखी गई। बहुत ही भयंकर दौर से देश गुजर रहा था। तब गुजरात की एक संवेदनशील कवयित्री पारुल खक्कर द्वारा गुजराती में लिखी गई कविता : 'एक साथ सब मुर्दे बोले सब कुछ चंगा-चंगा/राजा तुम्हारे रामराज में शव वाहिनी गंगा।' इस मूल गुजराती कविता का हिंदी, पंजाबी, बंगाली, मलयालम, अंग्रेजी, यहां तक कि जर्मनी में भी अनुवाद किया गया तो अश्लीलता में माहिर इस वर्ग ने सोशल मीडिया पर अश्लील व्यक्तिगत टिप्पणियां पोस्ट करके उन्हें इतना परेशान किया कि उन्हें अपना फेसबुक प्रोफाइल ब्लॉक करना पड़ा। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान करने के बाद उनको ट्रोलर ने सोशल मीडिया में इतनी गालियां दी और उनके परिवार और यहां तक कि उनकी बेटी पर भी अश्लील संदेशों की बौछार लगा दी। इस सबसे परेशान होकर उन्होंने अपना एक्स अकाउंट प्राइवेट कर दिया। हिमांशी नरवल शादी के केवल 6 दिन बाद ही पहलगाम नरसंहार में विधवा हो गई थी, उसका दोष यही था कि जब कश्मीर में आतंकवादियों के घरों पर बुलडोजर चलने का समाचार सुना तो उसने शांति की अपील करते हुए कहा कि हमें न्याय चाहिए, पर किसी बेकसूर मुसलमान और कश्मीरी को टारगेट न किया जाए। बस फिर क्या था, गंदगी उगलने वाले गिद्ध की तरह टूट पड़े और उन्हें सोशल मीडिया में जमकर गालियां दी गई। चरित्र पर बहुत ही बेहुदा लांछन लगाए गए।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, सोमवार 02 जून 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

श्रुत स्कंध महामंडल विधान

जबलपुर (विश्व परिवार)। जैन दर्शन में श्रुतपंचमी का बहुमहत्व है, प्रभु द्वारा प्रतिपादित आगमश्रुत को जिनवाणी के रूप में मुनिराजों द्वारा संकलन कर जनमानस के लिए प्रयुक्त किया, जो आज जैन दर्शन का प्रमुख आधार हैं। यह पर्व जैन धर्म का एक महान और ऐतिहासिक पर्व है, जिसे 'ज्ञान पंचमी' और 'प्राकृत भाषा दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। श्रुत पंचमी ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी को मनाई जाती है और यह आगमों और शास्त्रों की वंदना, उनकी शुद्धता और संरक्षण की भावना से जुड़ी है। ग्रंथों में वर्णित हैं कि इस दिन आचार्य धरसेन के निर्देशन में आचार्य पुष्पदंत और भूतबलि ने पहली बार जैन धर्म के मौखिक ज्ञान को ग्रंथों में लिपिबद्ध किया। इस ग्रंथ को 'षट्खंडागम' कहा जाता है, जो जैन धर्म का मूल स्तंभ है। इससे पहले भगवान महावीर की वाणी केवल मौखिक रूप से चलती थी, जिसे उनके शिष्य (गणधर) स्मरण रखते थे, इसलिए इसे 'श्रुत' परंपरा कहा गया। इसकी स्मृति में श्रुतपंचमी मनाई जाती हैं। हनुमानताल मार्ग में मंगली बजरिया स्थित वर्तमान नव स्वरूप में लाल मंदिर जी के रूप में प्रतिष्ठित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बरियाबाला मंदिर जी में आज प्रात: संगीतमय मां जिनवाणी की आराधना बड़े भक्तिभाव से करते हुए श्रुत स्कंध महामंडल विधान का आयोजन किया गया, अध्यक्ष सुनील सिंघई ने बतलाया कि आज सुबह से धार्मिक पूजन एवं श्रुत स्कंध यंत्र जी का अभिषेक विधानाचार्य शंशाक भैया, दयानगर के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। संपूर्ण बरियाबाला ट्रस्ट कमेटी द्वारा विधान में सम्मिलित समस्त श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया गया।

शोक सभा में युग पुरुष सुरेंद्र पवैया को दी श्रद्धांजलि

ललितपुर (विश्व परिवार)। सकल दिगम्बर जैन समाज तालबेहट की एक शोक सभा में रामलीला मैदान निवासी जयकुमार जी पवैया

के बड़े भाई एवं प्रतिष्ठित व्यवसायी प्रीतेश पवैया व समाजसेवी सौरभ पवैया के पूज्यनीय पिता जी व दानवीर हितेंद्र कुमार जितेंद्र जैन जैनेन्द्र पवैया के चाचाजी धर्मश्रेष्ठी युग पुरुष सुरेंद्र कुमार पवैया कड़ेसरा वालों के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। श्रद्धांजलि देने वालों में चौधरी सनत कुमार, डॉ. महेंद्र जैन, अनिल चौधरी, राकेश मोदी, देवेंद्र बसार, प्रवीन कुमार, अरविन्द भंडारी, कमलेश सिर्सी, अरुण कुमार, सजल मोदी, यशपाल जैन, अजय जैन, सुधीर कुमार, रीतेश चौधरी, कपिल मोदी, विकास पवा, रोहित जैन, जितेंद्र कुमार, धरणेंद्र जैन, शैलेश कुमार, आदेश मोदी, अभिषेक मिठया, प्रिंस जैन, ऋषभ विरधा, अभिषेक जैन आदि प्रमुख रहे। वहीं पावागिरि क्षेत्र प्रबंध समिति की शोक सभा में कार्यकारिणी सदस्य परम संरक्षक प्रीतेश पवैया के पूजनीय पिताजी सुरेंद्र कुमार पवैया के निधन पर ज्ञानचंद जैन, उत्तमचंद, विजय कुमार, आनंद जैन, जयकुमार जैन, विशाल जैन पवा, विकास भंडारी, आकाश चौधरी, पंकज भंडारी, सौरभ जैन, संदीप, अजय, अमन, अमित जैन आदि ने श्रद्धांजलि समर्पित की।

प्रदेश में दो करोड़ 75 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा

रायपुर (आरएनएस)। 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत प्रदेश में करीब दो करोड़ 75 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। पौधों की उपलब्धता वन विभाग के नर्सरियों और विभागीय स्त्रोतों से सुनिश्चित की जाएगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने बैठक में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की समीक्षा की। बैठक में अभियान के तहत शासकीय विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वृक्षारोपण के निर्देश दिए गए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में अधिकारियों से 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिनवाणी को टिकाये रखने के लिये पात्रता (योग्यता) की जरूरत होती है : मुनि श्री समतासागर जी महाराज

सम्मेदशिखरजी (विश्व परिवार)। पानी को टिकाये रखने के लिये पात्र (बर्तन) की जरूरत होती है, उसी प्रकार जिनवाणी को टिकाये रखने के लिये पात्रता (योग्यता) की जरूरत होती है, उपरोक्त उद्गार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने गुणायतन श्री सम्मेदशिखरजी में प्रात:कालीन धर्म सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि प्रभु का ज्ञान गुरु के माध्यम से हम तक आया गुरु ने कृपा करके करुणा भाव से भव्य आतमाओं के लिये सम्यक् ज्ञान आतमज्ञान का संदेश दिया जीव सिद्धांत और कर्म सिद्धांत की बात जैन सिद्धांत में आती है श्रुत पंचमी की यह परंपरा प्रभु और गुरु के बीच से होकर के हम सभी के पास आई है।

गुरु शिष्य की योग्यता और पात्रता को देखकर ही अपना ज्ञान शिष्य को देते है, तथा शिष्य उस ज्ञान से अपने जीवन को सार्थक और सफल बनाते है, मुनि श्री ने कहा भगवान महावीर को संस्कार पुनर्वा भील की पर्याय में मिला और आगे चलकर सिंह की पर्याय में जब मुनिराज ने जब सम्वोधन दिया तो वह बनराज पश्चाताप करते हुये भावुक हो गया एक तरफ बनराज थे तो दौनों ने एक दूसरे को देखा मुनिराज ने सम्वोधन दिया मुनि श्री ने कहा कि त्योहार हम सभी को अपनी भारतीय संस्कृति की प्रेरणा देते है, अहिंसा के सिद्धांत से जोड़कर खानपान में शुद्धी तथा आचार विचार रखने की प्रेरणा देते है ऐसे आगम के ग्रंथों में जन जन कल्याण और ज्ञान दीपक के समान है जो दूसरोंको प्रकाशित करता ही है तथा इस ज्ञान को पाकर अपनी आत्मा को भी प्रकाशित करना है जब आत्मा एक बार प्रकाशित हो जाती है तो सदा सदा के लिये अंधकार से छुटकारा पा जाती है। मुनि श्री ने कहा कि जिसने एक बार अपने शीश पर श्री जी को विराजमान कर लिया उसके घर परिवार को अन्य किसी आशीष की जरूरत नहीं पड़ती उन्होंने कहा कि गृहस्थ के आवश्यक कर्तव्यों में भगवान की पूजा और त्यागी वृतिओं को आहार दान दैने की है इन्ही दौनों चर्या के माध्यम से गृहस्थ श्रावक अपने जीवन में स्वाध्याय और संयम का पालन करते हुये आत्म तत्व को प्राप्त करता है। उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं गुणायतन के मुख्य जन संपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार जैन छाबड़ा ने दी। -**अविनाश जैन**

राजाबाजार जैन मंदिर में पहली बार आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज रचित ग्रंथ के जरिए किया गया मार्गदर्शन

जैन धर्म के श्रेष्ठ विचारों पर करें विश्वास, सत्यार्थ बोध से सीखें अहिंसा का पाठ

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत पार्श्वनाथ मंदिर राजाबाजार में पहली बार आचार्य विशुद्ध सागरजी महाराज रचित सत्यार्थ बोध ग्रंथ पर पंचायत के विश्वस्व अरुण पाटणी ने मार्गदर्शन किया। अहिंसा का महत्व बताने के साथ जैन धर्म के बारे में लोगों तक अच्छे विचार पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बारे में लोगों को जागरूक करने को आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने 2021 में सत्यार्थ बोध नामक ग्रंथ की रचना की थी। इस ग्रंथ में करीब 45 आध्याय हैं। जैन धर्म में हिंसा, झूठ, चोरी, अभद्र बर्ताव को पाप माना जाता है। विश्व में हिंसा दिन प्रति दिन बढ़ रही है। रूस-युक्रेन व फिलिस्तीन-इस्त्राइल युद्ध सहित हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में इस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं। हिंसा मानव सृष्टि के लिए हितकारी नाहीं है। गौवध रुकना चाहिए। साधु संतों ने अहिंसा के लिए लोगों को सदैव जागरूक किया है। इसका अभ्यास मानव जाति को करना चाहिए। अच्छे कर्म करने से मन को नियंत्रित करना आसान होता है।

ज्ञान आत्मसात करने पर मिलता आनंद इस अवसर पर महावीर पाटणी ने कहा कि आध्यातिमकता से भक्तों को ज्ञान मिलता है। इसके लिए रखवायाय उपक्रम शुरू किया गया है। ज्ञान आत्मसात करने पर जीवन में आनंद मिलता है।

दीप जलाकर शुरू किया स्वाध्याय स्वध्याय की शुरुआत भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा के सामने दीप जलाकर की गई। इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष महावीर पाटणी, सचिव प्रकाश अजमेरा, विश्वस्थ महावीर ठोने, यतिन ठोले, किरण पाहाड़े, संतोष सेठी, जितेंद्र पाटनी, चंदा फासलीवाल, बीता टोले, महावीर ठोले, अनूप पाटणी, मयूर ठोले, दिनेश ठोले, हुकुमचंद चांदीवाल, प्रकाश कासलीवाल, गुरु परिवार की प्रतिमा पाटणी, शोभा लोहाड़े, सपना पापडीवाल, सुरेखा पाटामी आदि उपस्थित थे। बाद में कार्यक्रम की प्रस्तावना पंचायत अध्यक्ष महावीर पाटणी ने रखी। संचालन सचिव प्रकाश अजमेरा ने किया।

-**शहर संवाददाता छत्रपति संभाजीनगर औरंगाबाद**

कुण्डलपुर में श्रुतपंचमी महापर्व धूमधाम से मनाया गया

जैन मिलन शाखा पटेरा द्वारा कुण्डलपुर में जिनवाणी को सुव्यवस्थित किया गया

कुण्डलपुर (विश्व परिवार)। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में श्रुतपंचमी महापर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: भक्तामर महामंडल विधान, पूज्य बड़ेबाबा का अभिषेक, शांतिधारा, रिद्धि कलश, श्रुत पूजन, विधान हुआ। इस अवसर पर प्रथम अभिषेक, शांतिधारा, रिद्धिकलश करने का सौभाग्य कमल विनोद अक्षत धरोटे नागपुर, अंकित कियान आलोक जैन हैदराबाद, धर्मेंद्र मनी अनुपम जैन भोपाल, समीर जय नारान जैन दिल्ली, भूपेंद्र जैन बचैया बहोरीबंद, संभव वरुण जैन भोपाल, संतोष विकास करेली, सी पी नमन भोपाल, प्रमोद अयन अक्षांश लखनादौन, सौरभ शैलेश पाटनी छिंदवाड़ा, विकास बालचंद जैन भिलाई ने प्राप्त किया। बड़ी संख्या में भक्तों ने पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक किया। कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष चंद्रकुमार सराफ की उपस्थिति रही। इस अवसर पर श्री बड़े बाबा जैन मिलन शाखा पटेरा कुंडलपुर द्वारा श्रुतपंचमी के पावन पर्व पर श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में जिनवाणी का रखरखाव सुव्यवस्थित करने का कार्य शाखा के धार्मिक आयोजन मंत्री अनिलशास्त्री के संयोजन में किया गया, जिसमें मिलन शाखा के अध्यक्ष नरेंद्र बजाज, मंत्री महेश जैन, गोकुल चंद, राजेंद्र बजाज, कोमलचंद जैन, ज्ञानचंद जैन, राकेश जैन सहित अनिल पुजारी शाखा के सदस्य गण शामिल रहे। जैन मिलन शाखा द्वारा मंदिर में जिनवाणी भेंट की गई। सायंकाल भक्तामर दीप अर्चना एवं पूज्य बड़े बाबा की संगीतमय महाआरती हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भगवान गौतम बुद्ध की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रविवार को बुद्ध जयंती के अवसर पर कोंडागांव जिले के भोंगापाल में भगवान गौतम बुद्ध की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान बोधगया से पधारे बौद्ध साधुवृन्द भंते अश्वजीत महाथेरा, भंते ज्ञानवंश थेरो, भंते शीलवंश थेरो, भंते प्रमोद एवं भंते डीन वियतनाम द्वारा बुद्धम शरणम गछम मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना करवाया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि भोंगापाल 6 वीं शताब्दी का चैत्य है, जहां भगवान बुद्ध की प्रतिमा विराजमान है। यह एक प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल है।

इस मौके पर विधायक केशकाल श्री नीलकंठ टेकाम सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के अलावा कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, आईजी श्री सुंदरराज पी., कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना, एसपी श्री वाय अक्षय कुमार और अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म के अनुयायी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ चेंबर में आयोजित हुआ नवगठित पदाधिकारियों का परिचय सम्मेलन तथा प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स कार्यालय, रायपुर में चेंबर के नवगठित पदाधिकारियों का परिचय सम्मेलन तथा प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चेंबर अध्यक्ष ने संरक्षक मंडल से सलाह लेकर इसे कार्यकारिणी की पहली बैठक भी घोषित की। इस दौरान चेंबर के कर्मचारियों के वेतन में 10 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि भी की गई तथा चेंबर में 200 से अधिक नए सदस्यों को जोड़ा गया।

आयोजित हुई कार्यकारिणी की पहली बैठक, 200 से अधिक नए सदस्यों को जोड़ा गया, चेंबर के कर्मचारियों की हुई वार्षिक वेतन वृद्धि

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के नवगठित पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर सभी को बधाई देते हुए चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स हमेशा व्यापारियों के हित में कार्य करता आया है आगे भी हम सब पूरी ताकत के साथ व्यापारी वर्ग के हितों की रक्षा और उसे मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करेंगे और इसके लिए मुझे सभी नवगठित पदाधिकारीगण और व्यापारी साथियों के साथ की जरूरत है, मुझे विश्वास है कि आप सभी का सहयोग और समर्थन मुझे मिलता रहेगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि छोटे और मध्यम वर्गीय व्यापारी साथियों को शासन की बहुत सी सुविधाओं का लाभ जानकारी के अभाव में नहीं मिल पाता है इसके लिए हम आने वाले समय में चेंबर में कार्यशाला का आयोजन करते रहेंगे जिससे सभी व्यापारियों को आवश्यक जानकारियां मिलती रहें और चेंबर से न केवल समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य हो बल्कि व्यापार और व्यापारियों के विकास के लिए भी हर संभव प्रयास हो सके। साथ ही उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वोकल फॉर लोकल को स्पोर्ट करने का आव्हान किया है जो निश्चित ही विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा, हमारे छत्तीसगढ़ में व्यापार की अपार संभावनाएं हैं, यह भ्रम है कि यहां केवल स्टील फैक्ट्री, राईस मिल और दाल मिल का ही व्यापार सफल हो सकता है जबकि छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में व्यापार की सफलताओं की खूब संभावनाएं हैं, हम सभी को साथ मिलकर सही रणनीति के साथ कार्य करना है और विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपना योगदान देना है।

चेम्बर संरक्षक श्री चतुर्भुज अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि नई तकनीक का उपयोग करें। चेम्बर संरक्षक श्री यू.एन. अग्रवाल ने सोलर एनर्जी के व्यापार करने पर जोर दिया। चेम्बर संरक्षक श्री पूरनलाल अग्रवाल ने कहा कि चेम्बर व्यापारियों एवं सरकार के मध्य सदैव ही व्यापारिक हित में सेतु का काम करता है। चेम्बर संरक्षक श्री शिवराज भंसाली ने कहा कि इस बार बिना खर्च के चुनाव हुआ और स्थिति अच्छी रही। चेम्बर संरक्षक श्री मगन लाल अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों को अपना आशीर्वाद दिया और कहा कि वे हमेशा व्यापारियों के साथ हैं।

चेम्बर संरक्षक श्री श्रीचन्द सुन्दरानी ने कहा कि चेम्बर अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने वरिष्ठ एवं युवाओं की बहुत ही मजबूत टीम बनाई है जिसके लिये वे धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा व्यापारियों के साथ खड़ा हूं।

भारतीय छात्र अब मेडिकल शिक्षा के लिए किर्गिस्तान की ओर कर रहे हैं रुख

नई दिल्ली (आरएनएस)। पिछले कुछ वर्षों में विदेशों में मेडिकल पढ़ाई को लेकर कई सवाल उठे हैं—कभी युद्ध का साया, तो कभी एजेंटों और बिचौलियों के झूठे वादे। रूस और यूक्रेन जैसे पारंपरिक विकल्पों में जहां युद्ध और अस्थिरता की आशंका बनी हुई है, वहीं पाकिस्तान के कुछ निवेशक किर्गिस्तान में निवेश कर कम फीस का झांसा देकर छात्रों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि ऐसे संस्थानों में न तो ढंग की पढ़ाई होती है और न ही इंटर्नशिप या क्लिनिकल एक्सपोजर जैसी मूलभूत सुविधाएं मिलती हैं। इसके उलट, किर्गिस्तान का मेडिकल शिक्षा ढांचा अब धीरे-धीरे पारदर्शी और भरोसेमंद बनता जा रहा है। मध्य एशिया का यह शांत और स्थिर देश अपने व्यवस्थित शैक्षणिक वातावरण, भारत-समरूप पाठ्यक्रम और सुरक्षा के मद्देनज़र भारतीय छात्रों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरा है। दिल्ली, पटना, भोपाल, रायपुर, जयपुर और दक्षिण भारत के कई शहरों से छात्र अब किर्गिस्तान के संस्थानों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

पाकिस्तानी निवेशकों द्वारा संचालित कुछ संस्थान, जो किर्गिस्तान में कम फीस में एमबीबीएस कराने का दावा करते हैं, दरअसल छात्रों को सुविधाओं से वंचित करते हैं। सूत्रों के अनुसार, इन कॉलेजों में न तो पर्याप्त बुनियादी ढांचा होता है और न ही आवश्यक मेडिकल इंटर्नशिप की व्यवस्था। ऐसे में छात्रों को एजेंटों के सहारे भेजा जाता है, जिनकी प्राथमिकता केवल वाणिज्यिक लाभ होती है। इसके विपरीत, किर्गिस्तान में कुछ मान्यता प्राप्त संस्थानों ने व्यवस्थित ढांचा विकसित किया है- जैसे कि बिश्केक स्थित इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन (आई एच एस एम), जो भारतीय छात्रों में लोकप्रिय हुआ है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि किसी एक कॉलेज के अनुभव को पूरे देश की स्थिति का प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता, लेकिन यह संकेत ज़रूर देता है कि यदि सही दिशा में प्रयास हों, तो चिकित्सा शिक्षा के लिए सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण विकल्प उपलब्ध हैं।

मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन केवल फीस या किसी विदेशी मान्यता से नहीं, बल्कि छात्र अनुभव, स्थानीय वातावरण और प्रशिक्षुता की प्रणाली से किया जाना चाहिए। कुछ संस्थानों में अब भारतीय छात्रों के लिए सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिसमें भारतीय खानपान, भाषा सहायता और सांस्कृतिक जुड़ाव शामिल हैं। एक पूर्व छात्रा ने बताया, विदेश जाकर डर तो था, लेकिन कॉलेज, हॉस्टल और इंडियन मेस की वजह से सब कुछ घर जैसा लगा। पढ़ाई व्यावहारिक थी और अस्पतालों में इंटर्नशिप भी कराई गई। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रों को एजेंटों के माध्यम से नहीं, सीधे कॉलेज से संपर्क कर पारदर्शी प्रक्रिया के तहत दाखिला लेना चाहिए। किर्गिस्तान में अब कई संस्थान इस पद्धति को अपना रहे हैं। इससे बिचौलियों की भूमिका सीमित हो रही है।

श्रुत पंचमी महापर्व पर विद्वत् परिषद के तत्वावधान में आयोजित हुई व्याख्यानमाला

ज्ञान आराधना और शास्त्र रक्षा का महापर्व है श्रुत पंचमी : प्रो. सुदर्शनलाल ● प्राकृत दिवस के रूप में मनाई जाती है श्रुत पंचमी : प्रो. अशोक कुमार

भारत सरकार ने हाल में प्राकृत भाषा को शास्त्रीय भाषा घोषित किया है

श्रुत संरक्षण में जहां एक ओर श्रमण परंपरा का अमूल्य योगदान वहीं विद्वानों का योगदान भी अविस्मरणीय : डॉ. पंकज जैन

ललितपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत् परिषद (रजि) के तत्वावधान में जैनधर्म के प्रमुख पर्व श्रुतपंचमी महापर्व पर श्रुत संरक्षण में विद्वानों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय व्याख्यानमाला का आयोजन परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर अशोककुमार जैन वाराणसी (प्रोफेसर काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी) की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

व्याख्यान माला का शुभारंभ कुमारी आर्या जैन भोपाल के द्वारा प्रस्तुत प्राकृत भाषा के मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण परिषद के महामंत्री प्रोफेसर विजय कुमार जैन लखनऊ ने किया। परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र भारती बुरहानपुर ने परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन डॉ. सुनील संचय ललितपुर (कार्यकारिणी सदस्य) ने किया। आभार व्यक्त प्राचार्य महेन्द्र कुमार जैन मुरैना ने किया। तकनीकी संयोजन डॉ. प्रदीप जैन तारादेही (कार्यकारणी सदस्य) ने किया।

अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रोफेसर अशोक कुमार जैन वाराणसी ने कहा कि श्रुत के संरक्षण और संवर्धन में श्रमण परंपरा और विद्वानों की महती भूमिका रही है। प्राकृत पर्व के रूप में यह पर्व मनाना चाहिए। विद्वानों ने केवल द्रव्य श्रुत का ही नहीं भाव श्रुत के संरक्षण भी योगदान दिया है। साधुवर्ग, विद्वानों और श्रेष्ठियों को मिलकर श्रुत का संरक्षण करना चाहिए।

यह महापर्व न केवल शास्त्रों और ज्ञान के प्रति श्रद्धा प्रकट करता है, बल्कि संस्कृति, भाषा और परंपरा की महत्ता को भी उजागर करता है।

इस मौके पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर सुदर्शनलाल जैन भोपाल (पूर्व संकाय प्रमुख संस्कृत विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी) ने कहा कि ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी तिथि को मनाए जाने वाला श्रुतपंचमी पर्व भारतीय संस्कृति में एक अनूठा पर्व है। श्रुतसंरक्षण केवल शास्त्रों के लेखन और संपादन से ही नहीं होता है शास्त्रों में वर्णित आचार और विचार का परिपालन करने से श्रुत की सच्ची प्रभावना होती है। प्रोफेसर सुदर्शन लाल जैन ने श्रुत पंचमी के ऐतिहासिक तथ्यों पर प्रकाश डाला तथा वर्तमान में विद्वानों को श्रुत के संरक्षण की दिशा में कैसे कार्य करना है इस पर उन्होंने अनेक सुझाव दिए।

युवा वक्ता के रूप में युवा मनीषी, चिंतक डॉ. पंकज जैन (ललितपुर वाले) भोपाल ने कहा कि श्रुत पंचमी पर्व के द्वारा दिगम्बर जैन साहित्य की प्राचीनता और प्रामाणिकता पुष्ट होती। श्रुतलेखन का इतना प्राचीन और पुष्ट प्रमाण किसी अन्य परंपरा में प्राप्त नहीं होता है। श्रुत संरक्षण में जहां एक और श्रमण परंपरा का अमूल्य योगदान है वहीं श्रुत संरक्षण में गृहस्थ विद्वानों के योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता है। श्रुत संरक्षण में राष्ट्रकूट वंश के शासक राजर्षि अमोघवर्ष और चामुंडराय ने भी ग्रंथ लेखन का कार्य किया है। अपभ्रंश के महाकवि पुष्पदंत और रइधू का भी श्रुतसंरक्षण में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। पंडित आशाधर जी, पंडित टोडरमल जी, पंडित दौलत राम जी आदि विद्वानों ने श्रुत संरक्षण की दिशा में अविस्मरणीय अवदान दिया है। जैन भक्त कवियों में पंडित द्यानतराय जी, पं. बनारसी दास जी, कवि वृंदावन जी, कवि भूधरदास एवं कवि संतलाल जी आदि का अविस्मरणीय अवदान है। 19वीं और 20वीं शती में गुरूणामगुरु पं. गोपालदास जी बरैया, क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी, प्रोफेसर हीरालाल जी जैन अमरावती, सिद्धांतशास्त्री पंडित हीरालाल जी साडूमल, पंडित फूलचंद जी सिद्धांतशास्त्री, पंडित कैलासचंद जी शास्त्री, पंडित दरबारीलाल जी कोठिया, पंडित महेंद्र कुमार जी न्यायाचार्य, पंडित सुमेरुचंद जी दिवाकर आदि विद्वानों ने अथक सारस्वत श्रम किया है। वर्तमान विद्वानों को ज्ञान पक्ष के साथ-साथ अचार पक्ष पर ध्यान देने की अत्यधिक आवश्यकता है।

इस मौके पर जर्मनी से डॉ सुरेन्द्र जैन भारती, चंद्रेश शास्त्री भोपाल, सुरेन्द्र जैन वाराणसी, शीलचंद्र शास्त्री ललितपुर, पंडित जयकुमार जैन, संजीव शास्त्री आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी को षटखंडागम ग्रंथ की रचना पूर्ण हुई थी जो कि प्राकृत भाषा में है। हाल ही में केंद्र सरकार ने प्राकृत भाषा को शास्त्रीय भाषा घोषित किया है। -**सुनील जैन**

www.vishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@yahoo.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर सोमवार 02 जून 2025

अहिल्याबाई के चरित्र को अपने जीवन में उतारे- राजबहादुर सिंह राणा

- भारत देश सनातन परंपराओं का देश है- सांसद
- जिसका चिंतन किया उसका क्रियान्वयन भी किया- शिवनारायण पाण्डे
- नेतृत्व शक्ति में नहीं, सेवा में है; शासन में नहीं, समर्पण में है- संजय पाण्डे

जगदलपुरः- पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती पर नगर निगम द्वारा शनिवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुख़र्जी सभागार (टाउन हॉल) में संगोष्ठी, प्रदर्शनी व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, मुख्य वक्ता राज बहादुर सिंह राणा, अध्यक्षता महापौर संजय पाण्डे, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक संतोष बाफना, लच्छू राम कश्यप, पीएससी के पूर्व सदस्य शिव नारायण पांडे, जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष विद्याशरण तिवारी उपस्थित रहे। आयोजन में स्वच्छता दीदीयों, नगरीय निकाय के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

मुख्य वक्ता राजबहादुर सिंह राणा ने कहा रानी अहिल्याबाई के जीवनी का हम सबको अध्ययन करना चाहिए अब उसे अपने जीवन में लागू करना चाहिए। वह एक महान मराठा शासिका और रानी थी जो मालवा राज्य में होलकर राजवंश की शासिका के रूप में जानी जाती थी। अपने परोपकार और न्याय के लिए वह प्रसिद्ध थी इसलिए उन्हें लोकमाता भी कहा जाता है। पति की मृत्यु के बाद अहिल्याबाई ने मालवा राज्य की बागडोर संभाली। उनके ससुर के मृत्यु के बाद उन्हें आधिकारिक रूप से रानी घोषित किया गया।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा भारत देश सनातन परंपराओं का देश है। हमें देश के महान विभूतियों के बारे में जानकारी प्राप्त होनी चाहिए। साहसी, न्यायप्रिय और परोपकारी शासिका थी अहिल्याबाई।अहिल्याबाई ने अपने राज्य को आक्रमणकारियों से बचाने के लिए बहुत प्रयास किया। उन्होंने सेना का नेतृत्व किया और कई युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई।

वरिष्ठ भाजपा नेता व पीएससी के पूर्व सदस्य शिव नारायण पांडे ने कहा अहिल्याबाई ने अपने जीवन में जो चिंतन किया उसका क्रियान्वयन भी किया। पुरे भारत में लोकमाता के नाम से भी उनको जाना जाता है। उन्होंने समाज में सुधार के लिए कई काम किए जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

महापौर संजय पाण्डे ने कहा रानी अहिल्याबाई का जीवन एक साधारण कन्या से लेकर एक असाधारण सम्राज्ञी बनने की यात्रा है। एक ऐसी वीरांगना जिन्होंने अपने पति की मृत्यु के पश्चात ना केवल शासन संभाला, बल्कि अपने अद्वितीय न्याय, धर्मपरायणता और प्रशासनिक कुशलता से इंदौर राज्य को सुव्यवस्थित और समृद्ध बनाया।उन्होंने भारत के कोने-कोने में मंदिरों और घाटों का निर्माण करवाया, बल्कि काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर रामेश्वरम तक का पुनर्निर्माण करवा कर भारत की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ किया। तीन सौ वर्षों बाद भी रानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व हमें यह सिखाता है कि नेतृत्व शक्ति में नहीं, सेवा में है, शासन में नहीं समर्पण में है। उनका जीवन एक दीप है जो आज भी नारी शक्ति, धर्मनिष्ठा और देशभक्ति का मार्ग आलोकित कर रहा है। जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे ने कहा 1725 में जन्मी अहिल्याबाई को रानी के रूप में जाना जाता है। उन्होंने हमेशा गरीबों और कमजोरों की मदद की और उनके साथ न्याय किया।

एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा ने कहा 31 मई सन 1925 में अहिल्याबाई का जन्म हुआ। सभी समाज में इनकी महती भूमिका थी। कोई भी समाज इनसे अछूता नहीं था। उन्होंने हर वर्ग, संप्रदाय और जाति के लोगों को बराबर महत्व दिया। वे किसी भी समाज के प्रति भेदभाव नहीं रखती थी। वह एक किसान परिवार से थी। उन्होंने कुशल प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई। महिलाओं के लिए वह प्रेरणा बनी और उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। कार्यक्रम में स्पीकर खेमसिंह देवांगन, श्रीनिवास मिश्रा, आनंद मोहन मिश्रा, एमआईसी सदस्य निर्मल पानीग्रही, सुरेश गुप्ता, संग्राम सिंह राणा, राणा घोस, संजय विश्वकर्मा, त्रिवेणी रंधारी, कलावती कसेर, पूर्व जिला अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, नगर अध्यक्ष प्रकाश झा, पार्षद श्यामसुंदर बघेल, बसंती समरथ, गायत्री बघेल, पूनम सिन्हा, उर्मिला यादव, गीता नाग, महेश्वरी ठाकुर, ममता पोटाई, कौशल्या साहू, कुसुम परिहार, रंजीता पानीग्राही, किरण दीवान, नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, गोपाल भारद्वाज, विनय श्रीवास्तव, राकेश यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

आकस्मिक निरीक्षण में खनिज विभाग ने रेत का अवैध परिवहन करते चार वाहन मालिकों के खिलाफ किया प्रकरण दर्ज

जगदलपुर / गौण खनिज का अवैध उत्खनन,परिवहन पर जिले में लगातार कार्रवाई जारी है । खनिज विभाग द्वारा 31 मई को रात्रि लगभग 8-9 बजे के बीच ग्राम तारापुर के ग्रामीणों द्वारा रेत का अवैध परिवहन के संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर, खनि अधिकारी के नेतृत्व में खनिज दल ने मौके में पहूँचकर जांच किया। आकस्मिक निरीक्षण में रेत का अवैध परिवहन करते चार वाहन चालक मौके से फ़रार गए थे, रात भर खनिज दल द्वारा तारापुर, बनियागांव, टलनार क्षेत्र का निरीक्षण किया गया और फ़रार वाहन चालक को पकड़ कर 01 जून की सुबह एक हाइवा और तीन टिप्पर मालिकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर वाहनों को पुलिस थाना नगरनार की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया।

इसके अलावा 01 जून को सुबह 8:30 बजे भसकली नदी ग्राम तारापुर (छत्तीसगढ़ सीमा में) रेत का अवैध उत्खनन के उद्देश्य से खड़े एक चैन माउंटेन मशीन को जप्त कर वाहन ऑपरेटर को सुपुर्दगी में देते हुए नोटिस दिया गया। खनिज जांच दल में खनि अधिकारी श्री शिखर चेरपा, खनि निरीक्षक श्री मिदुल गुहा, सिपाही श्री डीकेश्वर खरे,सीताराम नेताम, विकास नायक, जलंधर बघेल, महादेव सेठिया, संतोष सहारा उपस्थित थे। खनि अधिकारी ने बताया कि रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए अवैध परिवहनकर्ताओं तथा उत्खननकर्ता के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की गई ।

परपा पुलिस ने एर्राकोट में मारा छापा अवैध अंग्रेजी शराब की खेप पकड़ी

जगदलपुर। परपा पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से मध्यप्रदेश गोवा ब्रांड की अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई है। गोपनीय सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम एर्राकोट, पदरगुड़ापारा में दबिश दी। आरोपी लखेश्वर भैंस (उम्र 48 वर्ष), निवासी ग्राम एर्राकोट, अपने घर के बाड़ी में दो प्लास्टिक बोरियों में अवैध रूप से शराब छिपाकर रखे हुए था। मौके से पुलिस ने कुल 88 नग अंग्रेजी शराब (मध्यप्रदेश गोवा व्हिस्की), जिसकी कुल मात्रा 15 लीटर 840 मि.ली. और अनुमानित कीमत ?10,120 है, जप्त की। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में निरीक्षक मो. तारिक हरीश, सउनि अजीत सिंह, प्रआर 662 लवण पानीग्राही, 513 वीरेंद्र यादव, 454 चंदन सिंह गोयल, आर 838 गोबरू कश्यप की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

सांसद श्री कश्यप ने प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जगदलपुर/ राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया इसके अंतर्गत प्रातः 10 बजे महारानी अस्पताल परिसर से शासकीय नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं के द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए वापस महारानी अस्पताल के शाहिद गुंडाधुर सभागार में समाप्त हुई। वहां पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक महारानी अस्पताल डॉ. संजय प्रसाद, वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर एस एन अग्रवाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ रीना लक्ष्मी और तंबाकू रोग नियंत्रण कार्यक्रम के हनी गाडलिब और उमाशंकर साहू के साथ महारानी अस्पताल के दंत चिकित्सक डॉ तिवारी और डॉ दिवान भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू और अन्य नशीली चीजों से समाज और परिवार के साथ साथ व्यक्ति के स्वयं के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव के बारे में संदेशपरक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान सभी प्रतिभागी और सम्मिलित छात्राओं को ओरल किट प्रदान किया गया। इस अवसर पर कोटपा अधिनियम के संचालन एवं चालानी कार्रवाई हेतु गठित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों द्वारा बनाई गई टीम के सदस्य जिसमें समाज कल्याण विभाग से श्री मानिकपुरी और नगर पालिका निगम की ओर से श्री साहू उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के उपरांत दोपहर को सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप के द्वारा तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एक प्रचार वाहन को भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय बसाक और जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ रीना लक्ष्मी के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया ।इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

समाधान शिविर आयोजन हुआ बड़े बचेली में

दंतेवाड़ा। शासन की महती योजनाओं का सीधा जनता को लाभ पहुँचाने एवं लोगों को योजनाओं की जानकारी प्रदान करने मान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के अनुकरणीय पहल सुशासन तिहार 2025 का आयोजन सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। इस कड़ी में नगर पालिका बड़े बचेली के वार्ड 15 बंगाली केम्प के दुर्गा मंडप में वार्ड 13,14,15 में प्रथम चरण में प्राप्त 64 आवेदन का निराकरण शिविर में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द कुंजाम, नगर उपाध्यक्ष सतीश प्रेमचंदानी, मण्डल अध्यक्ष अमलेन्दु चक्रवर्ती के द्वारा शासन के योजनाओं का विस्तार से समझाया गया। इस कार्यक्रम में नवीन राशन कार्ड, आधार अपडेट, राजस्व प्रकरण, आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। साथ ही महिला बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि कुंजाम द्वारा शिविर के प्रत्येक पंडाल मे अधिकारियों से सम्पर्क कर योजनाओं को एवं सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली एवं सुझाव दिया गया। इस शिविर में नगर पालिका के पार्षद दीपक सरकार, पार्षद धंसिंग नाग, पार्षद झिलकी नाग, पार्षद बिना साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कृष्णा राव, उप अभियंता संतोष नेगी एवं महिला बाल विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, खाद्य विभाग एवं नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कड़मपाल में पालक शिक्षक बैठक का हुआ आयोजन

किरंदुल। प्रदेश में नया शैक्षणिक सत्र 16 जून 2025 से शुरू हो रहा है। जिसके मद्देनजर स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश भर में शाला प्रवेश उत्सवआयोजन किये जाने का निर्देश दिया है। इसी तारतम्य में विकासखण्ड कुआकोंडा के अन्तर्गत संकुल केन्द्र कड़मपाल में स्कूल प्रारम्भ होने से पहले पालक शिक्षक बैठक का आयोजन कर समीक्षा की गई। ताकि स्कूल के बच्चों को स्वच्छ, सुन्दर एवं प्रेरक वातावरण में अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने को लेकर तथा छात्रों में शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करने,और स्कूल में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का लक्ष्य लेकर छात्रों में कौशल विकास में प्रगति लाने के लिए हमारा प्रयास रहना चाहिए।इन्हीं सभी महत्वपूर्ण बातें संकुल समन्वयक एम माधव राव द्वारा पालकों के साथ साझा किया गया। अन्त में सरपंच राजू कड़ती द्वारा पालकों से निवेदन किया कि 16 जून से अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजें, ताकि गांव के बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर आगे अपना भविष्य उज्जवल बना सके।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तोंगपाल में 16 करोड़ 25 लाख से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तोंगपाल में आयोजित समाधान शिविर में 16 करोड़ 25 लाख से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने कुकानार से बढ़ाईपारा 4.80 किमी सड़क निर्माण हेतु 4 करोड़ 03 लाख 73 हजार, एल 53 चिंतलनार से किस्टारम 4.50 किमी सड़क हेतु 01 करोड़ 52लाख 41 हजार, एल 80 बुरकापाल से तोकनपल्ली 3.86 किमी सड़क हेतु 01 करोड़ 24 लाख 61 हजार, एल 67 मुकरम से तोंगपल्ली 5 किमी सड़क हेतु 01 करोड़ 24 लाख 13 हजार की लागत से निर्माण कार्य किया गया है। इसके अलावा गादीरास से मानकापाल 12 किमी सड़क, 13 नग पुल पुलिया निर्माण हेतु 6 करोड़ 86 लाख 15 हजार, सुकमा दंतेवाड़ा 23 किमी से कासरगुड़ा 2 किमी सड़क निर्माण कार्य के लिए 01 करोड़ 34 लाख की लागत से निर्माण किया गया!

प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत हितग्राहियों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सौंपी खुशियों की चाबी - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तोंगपाल के सुशासन शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) के तहत पात्र हितग्राहियों को खुशियों की चाबी देकर उनके सपनों के घर की सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 4 हितग्राहियों को उनकी पहली किस्त की चेक प्रदान की, साथ ही आवास पूरे हो चुके 04 हितग्राहियों को, उन्हें उनके नए घर की चाबी सौंपी। पीएम आवास के तहत पूरे हो रहे सपने। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी,मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ बसव राजू साव, कलेक्टर देवेश ध्रुव, पुलिस अधीक्षक किरण चौहान, जिला सीईओ नम्रता जैन, जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पिछड़ा वर्ग हरि यादव,कुसुमलता कवासी, राधा नायक, जिला पंचायत सदस्य सामबती यादव,माड़े बारसे,कोरसा सन्नू,हुंगाराम, सोयम मुका, आयताराम मंडावी, जनपद सदस्य तोंगपाल वेदन नाग, सरपंच तोंगपाल बालमती नाग सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष के किरंदुल प्रवास पर खदान मजदूर संघ किरंदुल द्वारा किया गया आत्मीय स्वागत

किरंदुल। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहार के तहत किरंदुल प्रवास पर आये भारतीय जनता पार्टी जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता का स्थानीय अतिथि गृह में खदान मजदूर संघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल के अध्यक्ष बी. दिल्ली राव, राजेंद्र यादव एवं संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया। शुक्रवार जिलाध्यक्ष द्वारा श्रम संघ के विस्तारीकरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया तथा संगठनात्मक परिचर्चा की गई। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष सत्यजीत चौहान, किरंदुल भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, मंत्री दीनानाथ ठाकुर, पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मपाल मिश्रा, अतुल सिंह, शैलेन्द्र सिँह, पार्षद राजकुमार सोनी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में किशोरियों के लिए विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जिले में व्यापक स्तर पर मनाया गया मासिक धर्म स्वच्छता दिवस

कोण्डागांव। मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पूरे जिले में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन विशेष रूप से आयुष्मान आरोग्य मंदिर में किया गया, जिनका उद्देश्य समुदाय स्तर पर किशोरियों हेतु गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस वर्ष का थीम रूढ़ियों को तोड़ें, मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाएँ इस बात पर जोर देता है कि मासिक धर्म एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है और इससे जुड़ी चुप्पी, शर्म और गलतफहमियों को खत्म किया जाना चाहिए। इसका प्रमुख उद्देश्य किशोरियों को मासिक धर्म से जुड़ी स्वच्छता की जानकारी देना, स्वच्छ और सुरक्षित प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामाजिक कलंक और दुर्भावना को दूर करना और समुदाय, विशेषकर माता-पिता और शिक्षकों को शामिल कर, सहयोगी वातावरण बनाना। इस अवसर पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य जागरूकता सत्र मेडिकल ऑफिसर, ग्रामीण चिकित्सा सहायक और समुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी। छड और काउंसलर द्वारा किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण और संक्रमण से बचाव पर मार्गदर्शन दिया गया। खुली चर्चा एवं संवाद सत्र में समुदाय के पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हुए, जिससे यह संदेश गया कि मासिक धर्म सिर्फ सड़कियों का नहीं, पूरे समाज का विषय है। स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों की भागीदारी शिक्षक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने छात्रों के बीच इंटरएक्टिव गतिविधियाँ आयोजित की गई। इससे सम्बन्ध में पोस्टर, बैनर, स्टिकर और हैंडबुक्स के माध्यम से सरल भाषा में संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में राज्य, जिता एवं ब्लॉक स्तर के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ-साथ, मितानिन महित्ता स्व-सहायता समूह, ने भी सक्रिय भागीदारी की। यह भागीदारी न सिर्फ स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं तक सीमित रहीं, बल्कि पूरे समाज ने इस विषय को गंभीरता से लिया। हर लड़की को मासिक धर्म के दौरान पूर्ण स्वच्छता और आत्मसम्मान का अधिकार मिले। इसके लिए समुदाय को साथ ताना ज़रूरी है स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारीपी ने आम जनता से अपील किया है कि मासिक धर्म को लेकर समाज में खुला संवाद करें। लड़कियों को सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प उपलब्ध कराने में सहयोग दें। स्कूलों और स्वास्थ्य संस्थानों को सहयोग करें ताकि कोई भी किशोरी जानकारी और संसाधनों से वंचित न रहे।

बयानार के गोकुल बैध को सौंपी गई समाज की बड़ी जिम्मेदारी

कोण्डागांव। कोण्डागांव जिले के जुगानीकलार में हाल ही में कलार समाज का संभागीय सम्मेलन बड़ी गरिमा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से समाजजन, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवियों ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में वनमंत्री केदार कश्यप और कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी शामिल हुईं। सम्मेलन में सामाजिक एकता, संगठन विस्तार और युवा सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विशेष चर्चा हुई। इसी दौरान समाज के हित में सक्रिय योगदान देने वाले बयानार निवासी गोकुल बैध को बस्तर संभाग का युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह घोषणा करते हुए समाज के पदाधिकारियों ने गोकुल बैध के कार्यों की सराहना की और विश्वास जताया कि उनकी अगुवाई में बस्तर संभाग के युवाओं को नई दिशा मिलेगी। गोकुल बैध की नियुक्ति पर क्षेत्रीय युवाओं और समाजजनों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। अनेक लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में समाज के युवाओं को मजबूत दिशा मिलने की उम्मीद जताई है। सम्मेलन में सामाजिक अपलिफ्टमेंट, शिक्षा, रोजगार और नवाचार पर भी विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए, जिससे समाज में नई ऊर्जा और संगठनात्मक मजबूती देखने को मिली।

www.vishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@yahoo.com

दैनिक
विश्व परिवार

धर्म-कर्म

रायपुर सोमवार 02 जून 2025

हिन्दू धर्म में क्यों की जाती है वृक्ष की पूजा

एकेश्वरवादी धर्म के लोगों को लिए यह बात बड़ी अजीब लगती है कि हिन्दू धर्म के लोग वृक्ष की पूजा क्यों करते हैं जबकि वह कोई ईश्वर या भगवान नहीं है? दरअसल, हिन्दुइज्म यह मानता है कि इस ब्रह्मांड में सभी कुछ परमात्मा का ही अंश है और सभी एक दूसरे से आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं।

पीपल और बरगद

वृक्ष की पूजा या प्रकृति की पूजा करने के पीछे साइंटिफिक रीजन भी है। जैसे कि हिन्दू धर्म में बरगद और पीपल के पेड़ की पूजा का प्रचलन है। हम सभी जानते हैं कि यह वृक्ष 24 घंटे ऑक्सीजन देते हैं। अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल और बरगद के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण ही इन्हें 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। यानी की हमारे ऋषि मुनि कहीं न कहीं इस वृक्ष के महत्व को समझते थे। अक्सर आपने देखा होगा की पीपल और वट वृक्ष की परिक्रमा का विधान है। इनकी पूजा के भी कई कारण है। स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दुःख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है।

तुलसी और आंवला

इसी तरह यदि हम औषधीय पौधों की बात करें तो तुलसी और आंवला की भी पूजा होती है। कोविड 19 के समय जब विटमिन सी को अच्छे से लेने की सलाह दी गई तब हम सब ने आमला का सेवन और शुरु कर दिया था। इसी तरह जब इम्यूनिटी को बूस्ट करने की बात की गई तो सभी ने तुलसी का रस पीना प्रारंभ कर दिया था। यह दोनों ही तरह के पौधे अत्यंत ही औषधीय गुणों से संपन्न है। यह कई तरह के रोगों को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। आयुर्वेद में आमला को सूपरफूड कहा गया है और तुलसी को अमृत माना है।

इस तरह से की जानी चाहिए लड्डू गोपाल की सेवा वरना मिलते हैं बुरे परिणाम

लगभग सभी घरों में लड्डू गोपाल की सेवा की जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि लड्डू गोपाल की सेवा करने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। इसलिए घर में लड्डू गोपाल की मूर्ति रखनी चाहिए, साथ ही उनकी सेवा एक बच्चे की तरह करनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर आपने भी अपने घर में लड्डू गोपाल को विराजित किया है, तो आपको कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। पूजा घर में जहां आपने लड्डू गोपाल को बैठाया हुआ है, वहां कुछ चीजें नहीं रखना चाहिए। आइए, जानते हैं कि वे चीजें कौन-सी हैं।

खंडित मूर्तियां न रखें

वास्तु के अनुसार, घर में टूटी हुई मूर्तियां रखना अशुभ माना जाता है। जिस स्थान पर लड्डू गोपाल विराजित हैं, उस स्थान पर खंडित मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसी मूर्तियों के घर में होने से नकारात्मक ऊर्जा आती है। ऐसा करने से लड्डू गोपाल की सेना की कृपा भी आपको नहीं मिलती है।

गंदे कपड़े न रखें

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि जिस कमरे के पूजा घर में लड्डू गोपाल विराजित हैं, उस कमरे में गंदे वस्त्र नहीं होने चाहिए। ऐसा करने नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है। घर में दुर्भाग्य प्रवेश करता है।

इतनी देर तक रखें भोग

अगर आप घर पर भी लड्डू गोपाल को भोग लगाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि 10 मिनट के अंदर ही भोग को वहां से हटा लें। ऐसा माना जाता है कि भोग लगाने के बाद वह झूठा हो जाता है। ऐसे में जूठी थाली लंबे समय तक वहां न रखें।

सजावटी वस्तुएं

घर के जिस कमरे में लड्डू गोपाल विराजित हैं, उसमें कभी भी सजावटी वस्तुएं न रखनी चाहिए। लड्डू गोपाल के कमरे को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए।

न रखें कोई पत्थर या रत्न

कई लोग अपने घर में कोई न कोई चमत्कारी पत्थर या राशि रत्न आदि रखते हैं। लेकिन इन चीजों को लड्डू गोपाल के आसपास रखने से बचना चाहिए। जिस कमरे में लड्डू गोपाल स्वयं बैठते हैं, उस कमरे का वातावरण सुखद और सकारात्मकता हो जाता है।

घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए शनिदेव की मूर्ति

हर घर के मंदिर में अलग-अलग देवी-देवताओं की मूर्तियां रखी होती हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि घर के मंदिर में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखनी चाहिए। इन मूर्तियों के रखे होने से नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं कि घर के मंदिर में किन देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखना चाहिए।

शनिदेव की मूर्ति

हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। शनिदेव की पूजा की जाती है, लेकिन घर के मंदिर में उनकी तस्वीर या मूर्ति रखना वर्जित होता है। उन्हें एक उग्र देव माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा घर की बजाय किसी मंदिर में जाकर करना शुभ मना होता है।

मां काली की मूर्ति

शनिदेव की तरह ही घर के मंदिर में मां काली की मूर्ति और तस्वीर रखना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन्हें भी उग्र देवताओं में शामिल किया जाता है। इनकी पूजा घर में नहीं करनी चाहिए। मां काली की पूजा के नियम भी बहुत कठिन हैं और घर पर ऐसा करना उचित नहीं माना जाता है।

नटराज की मूर्ति

कई लोगों के घर में नटराज की मूर्ति रखी होती है, लेकिन नटराज असल में भगवान शिव का रौद्र रूप माने जाते हैं। ऐसे में घर के मंदिर में नटराज की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में कलह बनी रहती है।

भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति

देवी-देवताओं की मूर्तियां भी विभिन्न मुद्राओं में पाई जाती हैं। लेकिन ध्यान रखें कि घर में हमेशा भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की बैठी हुई मूर्ति ही लानी चाहिए। मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां खड़ी या किसी अन्य स्थिति में रखना शुभ नहीं माना जाता है।

शिव की शक्ति का प्रतीक माना जाता है त्रिशूल

भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इतना ही नहीं, विशेष लाभ भी प्राप्त होते हैं। विधि-विधान और सच्चे मन से शिव जी पूजा की जाए, तो समस्याओं से मुक्ति मिलती है। कई बार मन में सवाल आता है कि भगवान शिव के साथ त्रिशूल क्यों रखा जाता है और त्रिशूल की उत्पत्ति कैसे हुई थी, आज हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे हुई थी त्रिशूल की उत्पत्ति

कहा जाता है कि त्रिशूल भगवान शिव की शक्ति का प्रतीक होता है। बुरी शक्तियों के विनाशक के रूप में त्रिशूल हमेशा शिव जी से जुड़ा रहता है। समुद्र मंथन के दौरान शिव जी को भगवान विष्णु से त्रिशूल उपहार के रूप में मिला था। वहीं, कुछ पौराणिक कथा में यह भी कहा गया है कि शिव जी को देवी दुर्गा से त्रिशूल प्राप्त हुआ था। उन्होंने इसका इस्तेमाल राक्षस महिषासुर के खिलाफ लड़ाई में किया था। शिव पुराण में कहा गया है कि संपूर्ण ब्रह्मांड की शुरुआत में भगवान शिव ब्रह्मनाद से प्रकट हुए थे। उनके साथ तीन गुण भी प्रकट हुए, रज, तम और सत गुण, इन तीन गुणों से मिलकर शिव शूल का निर्माण हुआ, जिससे त्रिशूल बना।

प्रचलित कथाओं के अनुसार, एक बार मंगल ग्रह ने भगवान शिव की घोर तपस्या की, जिससे भोलेनाथ अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने भगवान शिव से हमेशा उनके साथ रहने का वरदान मांगा, उन्होंने ग्रहों के चक्र से दूर रहने के लिए कहा। भगवान शिव ने कहा कि वे ग्रहों के चक्र से दूर हैं, ऐसे में किसी भी ग्रह को अपने साथ नहीं रख सकते। मना करने के बाद, मंगल ने शिव जी के पास रहने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि वे अपने किसी प्रतीक के साथ मेरे किसी प्रतीक को जोड़ लें। भगवान शंकर औघड़दानी कहे जाते हैं, इसीलिए उन्होंने अपने त्रिशूल पर हमेशा के लिए लाल रंग का कपड़ा बांध लिया था। तभी से यह सनातन धर्म की एक महत्वपूर्ण प्रथा बन गई, जिसका पालन आज भी किया जाता है।

इन सजावटी वस्तुओं या कलाकृतियों को घर में रखने से होगा नुकसान

आजकल घर में भारतीय संस्कृति के अनुसार परंपरागत सजावट नहीं की जाती है। पाश्चात्य संस्कृति के चलते कई तरह की नकली सजावट का भी प्रचलन बढ़ गया है। ऐसे में जानिए कि वास्तुशास्त्र के अनुसार कौन सी सजावटी वस्तुएं या कलाकृतियां नुकसान पहुंचा सकती है।

चित्र

घर में ताजमहल, जंगली वह हिंसक जानवर, रोते हुए बच्चे, नंगे बच्चे, युद्ध के दृश्य, कटे पेड़ या ठूंठ आदि के चित्र न लगाएं। इसके अलावा अभिनेता या अभिनेत्रियों के चित्र, बाइक, कार, मॉडल या अपने गुरु का बड़ा-सा चित्र भी न लगाएं।

पुरानी टूटी वस्तुएं

कई लोग पुरानी या फालतू चीजों से भी अपना घर सजाते हैं, जो कि गलत है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। वास्तु के अनुसार जब घर में नकारात्मक ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

नकारात्मक पेंटिंग

बहुत से घरों में देखा गया है कि जहां ऐसी पेंटिंग लगी होती है जिसमें क्या है यह कोई नहीं जानता या उसमें खंडहर, सूखे ठूंठ, मानवरहित उजाड़ शहर, बिखरा हुआ घर या सूखा बंजर पहाड़ नजर आता है। ऐसी पेंटिंग नकारात्मकता फैलाती है।

कलाकृतियां

आजकल कलाकृतियों के नाम पर कुछ ऐसी वस्तुएं घर में होती है जिसमें सूखे ठूंठ, प्लास्टिक के नकली पेड़ या कोई ऐसी कलाकृति जिसे अश्लीलता झलकी हो। यह सभी मृतप्रायः सजावटी कलाकृतियां जो मानी तो जाती हैं कलात्मक लेकिन वास्तु शास्त्र अनुसार ये सभी नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं।

कांटेदार पौधे

कुछ लोग घर को कलात्मक लुक देने के लिए नकली या कांटेदार पौधे लगा लेते हैं अतः घर में कांटेदार पेड़-पौधे न लगाएं, इससे पारिवारिक संबंधों में भी कांटों-की-सी चुभन पैदा होने लगती है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, सोमवार 02 जून 2025

मुख्यमंत्री साय ने दुधारू पशु प्रदाय योजना का किया शुभारंभ

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कोण्डागांव जिले के भोंगापाल से डेयरी समग्र विकास योजना अंतर्गत दुधारू पशु प्रदाय योजना का शुभारंभ किया। जनजातीय समुदाय के 08 चयनित हितग्राहियों को दुधारू पशु का वितरण कर इस महती योजना का राज्य स्तरीय आगाज हुआ। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की मदद से दुधारू पशु प्रदाय योजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के तहत 6 जिलों क्रमशः जशपुर, बलरामपुर, कांकेर, कोंडागांव, महासमुंद और सारंगढ़ बिलाईगढ़ के 325 अनुसूचित जनजाति परिवारों के महिला हितग्राहियों को कुल 650 दुधारू पशु प्रदाय किया जाएगा।

सीसीपीएल का ट्रॉफी टूर मरीन ड्राइव में जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। सीसीपीएल का ट्रॉफी टूर मरीन ड्राइव में जारी है। संघ एवं रायपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा इस कार्यक्रम को देश के वीर जवानों की बहादुरी को समर्पित किया गया है। मरीन ड्राइव पर कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों के साथ ट्राफी को प्रदर्शित किया जा रहा है। साथ ही दर्शकों हेतु विभिन्न कांटेस्ट आयोजित किए जा रहे है तथा आकर्षक पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

रायपुर मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 22 मई से 5 जून 2025 तक मनाया जा रहा

रायपुर रेलवे स्टेशन एवं खारून रेल विहार में जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक एवं जन संवाद

प्लास्टिक के उपयोग में कमी एकल उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभाव पर जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2025 (22 मई से 5 जून) के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर पर्यावरण संरक्षण हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष का अभियान केवल एक दिन तक सीमित न होकर एक विस्तारित चरणबद्ध में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें चरणबद्ध रूप से जागरूकता, संवाद, और व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 31 मई 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस अभियान कार्यक्रम यात्रियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के रायपुर मंडल द्वारा के अंतर्गत खारून रेल विहार, स्वास्थ्य विभाग के साथ जागरूकता रैली, नुक्कड़ एवं जन संवाद एवं रायपुर रेलवे स्टेशन पर जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।प्लास्टिक के रोकथाम, जल संरक्षण एवं वृक्ष बचाने का सन्देश नाटक के माध्यम से दिया गया। खुद को रोको खुद को टोको अपने से शुरुआत कर जन जागरूक किया गया।

कार्यक्रम मे मुख्य स्टेशन प्रबंधक श्री आर पी मंडल एवं. मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक स सरकार कर्मचारी गण भी उपस्थित थे नुककड़ का नेतृत्व एस अरुण मुदलियार, नंदिनी गौंड, पी गोपाल नायडू, जग्गनाथ दास, माम्पी दास, विमल दास ने की स्काउट्स गाइड्स रोवर्स रेंजर्स ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

रायपुर, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, भाटापारा सहित मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के बीच भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

एफसीआई छत्तीसगढ़ परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष बने सांसद बृजमोहन अग्रवाल

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ललित जैसिंघ और बीजेपी नेता गफ्फू मेमन ने बधाई दी

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को केंद्र सरकार की तरफ से नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम (FCI) की छत्तीसगढ़ राज्य परामर्शदात्री समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना और पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के तहत की गई है। यह दायित्व उन्हें तत्काल प्रभाव से सौंपा गया है। बृजमोहन अग्रवाल ने इस दायित्व के लिए भारत सरकार, उपभोक्ता मामले मंत्रालय तथा पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि, यह नियुक्ति मेरे लिए गर्व और उत्तरदायित्व दोनों का विषय है। छत्तीसगढ़ के किसानों, उपभोक्ताओं और खाद्य वितरण व्यवस्था को सशक्त एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में हर संभव प्रयास करूंगा। FCI जैसी महत्वपूर्ण संस्था के परामर्शदात्री निकाय का नेतृत्व कर पाना मेरे लिए सेवा का एक और माध्यम है। पूर्व में छत्तीसगढ़ शासन में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कुशलतापूर्वक संचालन कर चुके अग्रवाल प्रशासनिक अनुभव और जनहित की समझ के साथ इस नई भूमिका को निभाने के लिए तत्पर हैं। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ के लिए भी गौरव का विषय है, जिससे राज्य के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाने और समाधान दिलाने में सहायता मिलेगी।

बर्ड कोलकाता ने छत्तीसगढ़ में आयोजित किये तीन दिवसीय प्रशिक्षण, छत्तीसगढ़ सहकारी प्रशिक्षण संस्थान पंडरी में ट्रेनिंग

रिजुलेशन एसेट्स (एनपीए) तथा रिकव्हरी मैनेजमेंट पर आधारित प्रशिक्षण

कोआपरेटिव्ह बैंको तथा ग्रामीण बैंको के 34 अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। बैंकर ग्रामीण विकास संस्थान (बर्ड) कोलकाता द्वारा छत्तीसगढ़ सहकारी प्रशिक्षण संस्थान पंडरी रायपुर में प्रदेश के कोआपरेटिव्ह बैंको तथा ग्रामीण बैंको के 34 अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र दिनांक 26.05.2025 से 28.05.2025 तक आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण सत्र का शुभारभ एडिशनल कमिश्नर कोआपरेशन व अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक के. एन.कान्डे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि नाबार्ड महाप्रबंधक शीतांशु शेखर तथा उप महाप्रबंधक अपेक्स बैंक व छत्तीसगढ़ सहकारी प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक भूपेश चंद्रवंशी उपस्थित में किया गया। नाबार्ड महाप्रबंधक शीतांशु शेखर ने प्रतिभागियों को संबोधित हुए कहा कि बैंकर्स को समयबद्ध वसूली की कार्ययोजना बनाकर नियमान्तर्गत रिकव्हरी की कार्यवाही करनी चाहिए।

अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक के एन कांडे ने प्रशिक्षण में आये प्रतिभागियों से कहा कि हमे भारत सरकार के सहकार से समृद्धि की योजनाओं का क्रियांवयन ग्रामीणों के आर्थिक तथा सामाजिक उत्थान के लिए किया जाना है। समितियो से सभी किसानों को जोड़ते हुए सदस्यता वृद्धि किया जावे एवं उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड जारी किया जाए।

इस प्रशिक्षण सत्र के दौरान बैंकर ग्रामीण विकास संस्थान के कार्यक्रम निदेशक कोलकाता एस. पाल, अतिथि संकाय विशेषज्ञ विकास बहल, सेवानिवृत्त एजीएम स्टेट बैंक व विषय विशेषज्ञ पी.सी.दास, एजीएम अपेक्स बैंक एल के चौधरी, छत्तीसगढ़ सहकारी प्रशिक्षण संस्थान के उप निदेशक ए. के.लहरे व प्रशिक्षण प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती सम्मान पूर्वक मनाई गई

भिलाई नगर (विश्व परिवार)। निगम भिलाई में लोकमाता देवी अहिल्याबाई के जन्म दिवस 31 मई को सम्मान और आदर के साथ मनाया गया। उनके द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में भाग लेते आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने हुए उपस्थित मितानिन बहनों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बताया कि लोकमाता अहिल्याबाई बहुत संवेदनशील महिला थी। अपने प्रजा की दुख तकलीफ को समझती थी। उन्होंने देखा कि बाल्यावस्था में जब कोई बालिका विधवा हो जाती है जिसमें उसका कोई दोष नहीं रहता है वह बहुत तकलीफ पाती है। पुरुष दूसरा शादी कर लेता है। महिला बहुत ही कष्ट में जीवन जीती है। समाज उसे बहुत प्रताड़ित करता है अशगुनही महिला मानता है। देवी अहिल्याबाई ने समाज से संघर्ष, अपने राज परिवार से प्रतिरोध सहकर करके अपने बचपन की सहेली जो छोटी उम्र में विधवा हो गई थी। उसे लाकर राजमहल में रखी और उसका अपने यहां के एक सैनिक से पुनर्विवाह करवाया था।

जो बाद में एक मील का पत्थर हुआ। जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला ने बताया बालिकाओं के शिक्षा के लिए उन्होंने काम किया। उस समय केवल लड़कों का ही पढ़ने का चलन था लेकिन अपने लगन से राजा को उन्होंने वाद्यय किया कि वह भी पढ़ाई करेगी, राजा ने उन्हें पढाये, राज्य काज सिखाए। एक बार अपने राज्य के भ्रमण के दौरान जब रानी ने देखा की जो सैनिक लड़ाई में घायल हो जाते हैं या उनकी मृत्यु हो जाती है। उनके परिवार को बहुत आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके लिए उन्होंने अपने राज्य में सैनिकों के लिए पेंशन की शुरुआत की। इसका भी राज्य के कोषाध्यक्ष ने भरपूर विरोध किया था कि राजकीय खजाना खाली हो जाएगा। उसका भी उन्होंने रास्ता निकाला उनके वेतन से कुछ हिस्सा काटकर के उतना ही हिस्सा शासन द्वारा जमा करके पेंशन की शुरुआत की गई। परंपरा अनुसार राज माता थी लेकिन जनता की समस्याओं को करीब से जानने के लिए वह खुद झोपड़ी में निवास करती थी। लोगों की समस्याएं उनके घरों में जाकर सुनती थी। उनके इस प्रकार की भावना से जनता उन्हें राजमाता से लोकमाता कहने लगी। उपस्थित महिलाओं के बीच अहिल्याबाई के ऊपर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता रखी गई। अहिल्याबाई के बारे में पूछे गए सवालों को जानकारी देता था उसे त्वरित रूप से पुरस्कार भी प्रदान किया गया। 21 मई से 31 मई तक नगर निगम भिलाई क्षेत्र में लोकमाता अहिल्याबाई के ऊपर विभिन्न जन उपयोगी कार्यक्रम किए गए।

कलिंगा विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा जनजातीय संग्रहालय, नया रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर के शिक्षा संकाय द्वारा दिनांक 30 मई 2025 को जनजातीय संग्रहालय, नया रायपुर का एक समृद्ध शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। यह पहल बीएड एवं एमए (शिक्षा) के विद्यार्थियों के लिए अनुभवात्मक और अंतर्विषयक अधिगम को प्रोत्साहित करने हेतु की गई, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है जिसमें सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय ज्ञान प्रणालियों को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में समाहित करने पर बल दिया गया है।

जनजातीय संग्रहालय, जो छत्तीसगढ़ की विभिन्न जनजातियों के जीवन, कला, परंपराओं और रीति-रिवाजों को जीवंत रूप में प्रदर्शित करता है, विद्यार्थियों के लिए स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों से जुड़ने और जनजातीय इतिहास व संस्कृति के शैक्षिक महत्व को समझने का एक उत्कृष्ट मंच सिद्ध हुआ।

यह भ्रमण डॉ. श्रद्धा वर्मा- अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय के नेतृत्व में तथा डॉ. सरोज नैयर के समन्वय में आयोजित किया गया। आयोजन में डॉ. कालिदास, निदेशक-खेल, डॉ. संजीव कुमार यादव- सहायक प्राध्यापक एवं क्रीडा अधिकारी, डॉ. लुभावनी त्रिपाठी- सह प्राध्यापिका तथा डॉ. हर्षा शर्मा- सहायक प्राध्यापिका, शिक्षा संकाय सहित अन्य संकाय सदस्यों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। भ्रमण के दौरान संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद, चिंतनशील अवलोकन और प्रलेखन संबंधी गतिविधियाँ संचालित कीं, जिससे विद्यार्थियों को संग्रहालय की प्रदर्शनी से सार्थक शैक्षणिक अंतर्दृष्टियाँ प्राप्त हुईं। इस अनुभव से न केवल सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ी, बल्कि समावेशी शैक्षणिक दृष्टिकोण को भी बल मिला।

कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर, NAAC से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय है और लगातार तीसरे साल NIRF रैंकिंग 2024 में शीर्ष 101-150 विश्वविद्यालयों में स्थान पाने वाला छत्तीसगढ़ का एकमात्र निजी विश्वविद्यालय है। यह मध्य भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में भी उभरा है। इस प्रकार के क्षेत्रीय अधिगम आधारित प्रयास कलिंगा विश्वविद्यालय की समग्र एवं संदर्भ-सापेक्ष शिक्षक शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को पुन: पुष्टि करते हैं।

छत्तीसगढ़ के विकास में देवांगन समाज की महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने देवांगन समाज के महाकुंभ में समाज के लोगों को विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागिता की अपील की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम रायपुर में देवांगन समाज के महाकुंभ को संबोधित करते हुए कहा कि देवांगन समाज मेहनतकश और खुशहाल समाज है। समाज के लोग उन्नत खेती और व्यवसायी के रूप में छत्तीसगढ़ की विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह समाज न केवल खेती और व्यापार में अग्रणी है, बल्कि शिक्षित और संगठित भी है। शिक्षा, सांस्कृतिक, कला, कृषि, व्यापार सभी क्षेत्रों में समाज के लोगो ने अपना वर्चस्व दिखाया है। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास कर रहा है। मोदी की गारंटी मतलब गारंटी का पूरा होना है। सरकार ने पिछले डेढ़ वर्षो में किये गए वायदों को लगभग पूरा कर दिया गया है। सरकार बनते ही सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ में 18 लाख से अधिक आवास की स्वीकृति पर मुहर लगाई गई। छत्तीसगढ़ में नारी सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन के माध्यम से महिलाओं को राशि दी जा रही है। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है और सिलाई-कढ़ाई-सब्जी उत्पादन जैसे कार्यों से अपनी आमदनी बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लागू उद्योग नीति की सराहना पूरे देश मे हो रहा है। प्रदेश में साढ़े 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। वर्तमान में नवा रायपुर में सेमीकंडक्टर प्लांट के निर्माण का कार्य प्रारंभ भी हो चुका है।

रक्षित केंद्र रायपुर में उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के वार्षिक निरीक्षण के दौरान परेड, एम.टी.परेड, पुलिस दरबार का आयोजन

परेड के दौरान अच्छे टर्न आऊट, अच्छे ड्रिल, अच्छे कमाण्ड पर अधिकारी एवं कर्मचारियों को किया गया पुरुस्कृत, खराब टर्न आऊट के लिए दी गई चेतावनी

रायपुर (विश्व परिवार)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रायपुर के द्वारा वार्षिक निरीक्षण परेड, एम.टी. परेड तथा परम्परागत पुलिस दरबार के व्यवस्थित आयोजन एवं पुलिस लाईन के दायित्वों का बेहतर संपादन हेतु निलेश द्विवेदी, उप पुलिस अधीक्षक, लाईन, रायपुर, अनीष सारथी रक्षित निरीक्षक, रायपुर तथा पुलिस लाईन के टीम की गई प्रशंसा।

28 मई 2025 को उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह (भापुसे) के द्वारा वार्षिक निरीक्षण के दौरान रक्षित केंद्र रायपुर में परेड, एम.टी. परेड, पुलिस दरबार, तथा पुलिस लाईन के शाखाओं का निरीक्षण किया गया। वार्षिक निरीक्षण में सर्वप्रथम पुलिस परेड ग्राऊण्ड में निरीक्षण परेड, एम0टी0 परेड में राजपत्रित अधिकारी-17, निरीक्षक-37, उप निरीक्षक-12, सहायक उप निरीक्षक 18, प्रधान आरक्षक-46, आरक्षक/महिला आरक्षक-231 कुल 360 अधिकारी/ कर्मचारी सम्मिलित हुये। परेड में सम्मिलित 360 अधिकारी/ कर्मचारियों का टर्न आऊट चेक किया गया तत्पश्चात् ड्रिल, कमाण्ड का परीक्षण, निरीक्षण मार्च पास्ट का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। परेड में अच्छे टर्न आऊट तथा अच्छे कमाण्ड हेतु अधिकारी/कर्मचारियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रायपुर के द्वारा पुरुस्कृत किया गया जिनके टर्न आऊट ठीक नहीं थे उन्हे सुधार हेतु समझाईश दिया जाकर चेतावनी दी गई।

परेड पश्चात् एम.टी. परेड का निरीक्षण किया गया, जिसमें वाहनों के रखरखाव तथा व्यवसायिक ज्ञान के बारे में जानकारी प्राप्त की गई, इसमें ऐसे वाहन चालक जो वाहनों के रख-रखाव तथा मेन्टेनेंस ठीक ढंग से रखते हैं निरीक्षण परेड के दौरान पूछे गये वाहनों से संबंधित प्रश्नों के सही जवाब देने पर वाहन चालकों को पुरूस्कृत किया गया।

एम0टी0 परेड पश्चात् पुलिस दरबार का आयोजन किया गया, मंच का संचालन करते हुए उप पुलिस अधीक्षक, लाईन श्री निलेश कुमार द्विवेदी ने सर्वप्रथम अपने परिचयात्मक उद्बोधन में कहा कि किसी भी जिले के कानून व्यवस्था ड्यूटी, विशिष्ट व्यक्ति एवं प्रतिष्ठानों की सुरक्षा ड्यूटी, जिले में अपराध की रोकथाम एवं अपराधो की विवेचना में उस जिले की पुलिसिंग में पुलिस लाईन के द्वारा किये जाने वाले कार्य की अत्यंत महत्ता है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354